



# सरकारी गज़ट, उत्तर प्रदेश

## उत्तर प्रदेशीय सरकार द्वारा प्रकाशित

### असाधारण

#### विधायी परिशिष्ट

भाग-4, खण्ड (क)

( सामान्य परिनियम नियम )

प्रयागराज, सोमवार, 31 जनवरी, 2022 ई०

(माघ 11, 1943 शक संवत्)

### कार्यालय, आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश, प्रयागराज

संख्या 20937/दस-लाइसेंस-57/बोतल भराई नियमावली/2021

प्रयागराज, दिनांक : 31 जनवरी, 2022 ई०

#### अधिसूचना

सा०प०नि-10

उत्तर प्रदेश साधारण खण्ड अधिनियम 1904 (उत्तर प्रदेश अधिनियम संख्या 1 सन् 1904) की धारा 21 के साथ पठित संयुक्त प्रान्त आबकारी अधिनियम, 1910 (संयुक्त प्रान्त अधिनियम संख्या 4 सन् 1910) की धारा 41 के अधीन शक्तियों का प्रयोग करके, आबकारी आयुक्त, एतदद्वारा राज्य सरकार की पूर्व स्वीकृति से समय-समय पर यथासंशोधित उत्तर प्रदेश विदेशी मदिरा को बोतलों में भरने की नियमावली, 1969 को संशोधित करने की दृष्टि से निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं:-

**उत्तर प्रदेश विदेशी मदिरा को बोतलों में भरने की (पचीसवां संशोधन) नियमावली, 2021**

1-संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ-(1) यह नियमावली उत्तर प्रदेश विदेशी मदिरा को बोतलों में भरने की (पचीसवां संशोधन) नियमावली, 2021 कही जायेगी।

(2) यह दिनांक 01 अप्रैल, 2021 से प्रवृत्त हुयी समझी जायेगी।

**2-नियम-4 का संशोधन**—उत्तर प्रदेश विदेशी मंदिरों को बोतलों में भरने की (पचीसवां संशोधन) नियमावली, 2021 जिसे आगे उक्त नियमावली कहा गया है, में नीचे स्तम्भ-1 में दिये गये नियम-4 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:—

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

4—बोतल भरने के लाइसेंस का नवीकरण करने के लिए आवेदन—पत्र आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश को लाइसेंस समाप्त होने वाले वर्ष के 28 फरवरी को या उसके पूर्व प्रपत्र—वि०म०ख-1 में दिया जायेगा। जब तक फीस या उसका कोई भाग बकाया न हो, या कोई अन्य पर्याप्त कारण न हो, आबकारी आयुक्त द्वारा प्रपत्र वि०म०-3 व वि०म०-3क में बोतल भरने के लाइसेंस का दो वर्ष के लिए नवीकरण किया जा सकता है, किन्तु लाइसेंस, केवल सम्बन्धित पी०डी०-2 लाइसेंस की विधिमान्यता की अवधि तक ही विधिमान्य होगा।

एफ०एल०-3 व एफ०एल०-3क लाइसेंस के नवीकरण के लिए फीस निम्नानुसार व संदेय होगी—

क्रम संख्या	अनुमानित वार्षिक बाटलिंग फीस (रुपये में)	एफ०एल०-3 लाइसेंस की निर्धारित वार्षिक नवीकरण फीस (रुपये में)
1	2	3
1	1,00,00,000 तक	2 लाख
2	1,00,00,000 से अधिक 2,00,00,000 तक	4 लाख
3	2,00,00,000 से अधिक 3,00,00,000 तक	6 लाख
4	3,00,00,000 से अधिक 4,00,00,000 तक	8 लाख
5	4,00,00,000 से अधिक	10 लाख

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

4—बोतल भरने के लाइसेंस का नवीकरण करने के लिए आवेदन—पत्र आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश को लाइसेंस समाप्त होने वाले वर्ष के 28 फरवरी को या उसके पूर्व प्रपत्र—वि०म०ख-1 में दिया जायेगा। जब तक फीस या उसका कोई भाग बकाया न हो, या कोई अन्य पर्याप्त कारण न हो, आबकारी आयुक्त द्वारा प्रपत्र वि०म०-3 व वि०म०-3क में बोतल भरने के लाइसेंस का तीन वर्ष तक के लिए नवीकरण किया जा सकता है, किन्तु लाइसेंस, केवल सम्बन्धित पी०डी०-2 लाइसेंस की विधिमान्यता की अवधि तक ही विधिमान्य होगा।

एफ०एल०-3 व एफ०एल०-3क लाइसेंस के नवीकरण के लिए फीस निम्नानुसार व संदेय होगी—

क्रम संख्या	अनुमानित वार्षिक बाटलिंग फीस (रुपये में)	एफ०एल०-3 व एफ०एल०-3क लाइसेंस की अवधारित वार्षिक नवीकरण फीस (रुपये में)
1	2	3
1	1,00,00,000 तक	2 लाख
2	1,00,00,000 से अधिक 2,00,00,000 तक	4 लाख
3	2,00,00,000 से अधिक 3,00,00,000 तक	6 लाख
4	3,00,00,000 से अधिक 4,00,00,000 तक	8 लाख
5	4,00,00,000 से अधिक	10 लाख

प्रतिबन्ध यह है कि एफ०एल०-3क लाइसेंस के नवीकरण हेतु नवीकरण फीस की आधी धनराशि के समतुल्य फेन्चाइजी शुल्क भी संदेय होगा। अनुमानित वार्षिक बाटलिंग फीस की गणना माह जनवरी के अन्त तक प्राप्त बाटलिंग फीस के आधार पर की जायेगी।

नवीकरण एवं फेन्चाइजी फीस की यह धनराशि बाटलिंग फीस के सापेक्ष समायोजित नहीं की जायेगी। यदि वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर प्राप्त वास्तविक बाटलिंग फीस के कारण नवीकरण फीस की श्रेणी बढ़ती है तो बढ़ी हुई श्रेणी के अनुरूप नवीकरण फीस संबंधित वर्ष के लिए संदेय होगी, तथा अन्तर की धनराशि संबंधित वित्तीय वर्ष के अप्रैल माह की अंतिम तिथि से पूर्व राजकोष में जमा करनी होगी।

उक्त के अतिरिक्त, बाटलिंग फीस तथा स्पेशल फीस की अग्रिम वसूली पृथक् से सुसंगत नियमों के उपबंधों के अनुसार की जायेगी।की जायेगी।

प्रतिबन्ध यह है कि एफ०एल०-3क लाइसेंस के नवीकरण हेतु नवीकरण फीस की आधी धनराशि के समतुल्य फेन्चाइजी शुल्क भी संदेय होगा। अनुमानित वार्षिक बाटलिंग फीस की गणना माह जनवरी के अन्त तक प्राप्त बाटलिंग फीस के आधार पर की जायेगी। नवीकरण फीस एवं फेन्चाइजी फीस की यह धनराशि बाटलिंग फीस के सापेक्ष समायोजित नहीं की जायेगी। यदि वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर प्राप्त वास्तविक बाटलिंग फीस के कारण नवीकरण फीस की श्रेणी बढ़ती है तो बढ़ी हुई श्रेणी के अनुरूप नवीकरण फीस संबंधित वर्ष के लिए संदेय होगी, तथा अन्तर की धनराशि संबंधित वित्तीय वर्ष के अप्रैल माह की अंतिम तिथि से पूर्व राजकोष में जमा करनी होगी।

उक्त के अतिरिक्त, बाटलिंग फीस तथा स्पेशल फीस की अग्रिम वसूली पृथक् से सुसंगत नियमों के उपबंधों के अनुसार की जायेगी।

**3-नियम 6 का संशोधन**—उक्त नियमावली में, नीचे, स्तम्भ-1 में दिये गये नियम-6 के स्थान पर स्तम्भ-2 में दिया गया नियम रख दिया जायेगा, अर्थात्:-

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

6-प्रपत्र विदेशी मदिरा-3 या विदेशी मदिरा-3क में प्रदान किया गया प्रत्येक लाइसेंस निम्नलिखित शर्तों के अध्यीन होगा।

(1) लाइसेंसधारी बोतल में भराई कार्य उसी भू-गृहादि में करेगा जो आसवनी, यवासवनी या द्राक्षासवनी के बाहर बोतल भरने की दशा में जिलाधिकारी द्वारा और आसवनी, यवासवनी या द्राक्षासवनी के अन्दर बोतल भरने की दशा में आबकारी आयुक्त द्वारा पूर्वानुमोदित हों और लाइसेंस पर पृष्ठांकित हों और भू-गृहादि का प्रयोग किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए, सिवाय विदेशी मदिरा बोतल में भरने और उसे संग्रह करने के लिये नहीं दिया जायेगा।

(2) लाइसेंसधारी उक्त भू-गृहादि में यथास्थिति जिलाधिकारी या आबकारी आयुक्त, की पूर्वलिखित स्वीकृति के बिना कोई परिवर्तन नहीं करेगा और इस प्रकार के सभी परिवर्तन लाइसेंसधारी द्वारा प्रस्तुत नक्शे में दिखाये जायेंगे।

(3)(i) बोतल में भराई कार्य इस प्रयोजनार्थ अलग किये गये, पृथक कक्ष (कक्षों) में किया जायेगा। लाइसेंसधारी मदिरा के संग्रह के लिये भराई कक्ष (कक्षों) में बोतल भराई की टंकियां स्थापित करेगा। वह भराई कक्ष (कक्षों) में छानने, भराई करने या इससे सम्बन्धित प्रक्रिया के लिये आवश्यक उपकरण स्थापित करेगा।

(ii) विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट में मदिरा के आयतन तथा तीव्रता दोनों को मापने हेतु इलेक्ट्रानिक उपकरणों को लगाना, प्रयोग करना तथा अनुरक्षण करना

(क) विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट में कम से कम दो मास फ्लोमीटर होंगे, जिसमें एक स्प्रिट या ब्लेण्डेड विदेशी मदिरा की प्राप्ति के लिए होगा और दूसरा वांछित तीव्रता एवं माप की पेय विदेशी मदिरा की बोतल भराई को सुनिश्चित करेगा।

(ख) इन टैंकों में भंडारित किये गये स्प्रिट के स्तर को अभिलिखित किये जाने के लिए समस्त भण्डारण कुण्डों, रिडक्शन और ब्लेण्डिंग कुण्डों तथा बाटलिंग कुण्डों पर राडार आधारित लेबिल ट्रांसमीटर लगाये जायेंगे।

(ग) विदेशी मदिरा बाटलिंग लाइन पर दो इलेक्ट्रानिक बाटल काउन्टर होंगे, जिसमें पहला आटोमैटिक फिलिंग यूनिट के ठीक बाद के स्थान पर लगेगा तथा दूसरा उसी लाइन में सिक्योरिटी कोड लगाने के स्थान के ठीक बाद लगेगा। सम्बन्धित आसवनी/बाटलर्स विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट पर अपनी लागत पर इन बाटलिंग काउन्टरों को लगायेगा और अनुरक्षित करेगा।

**स्तम्भ-2**  
**एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

6-प्रपत्र विदेशी मदिरा-3 या विदेशी मदिरा-3क में प्रदान किया गया प्रत्येक लाइसेंस निम्नलिखित शर्तों के अध्यीन होगा।

(1) लाइसेंसधारी बोतल में भराई कार्य उसी भू-गृहादि में करेगा जो आसवनी, यवासवनी या द्राक्षासवनी के बाहर बोतल भरने की दशा में जिलाधिकारी द्वारा और आसवनी, यवासवनी या द्राक्षासवनी के अन्दर बोतल भरने की दशा में आबकारी आयुक्त द्वारा पूर्वानुमोदित हों और लाइसेंस पर पृष्ठांकित हों और भू-गृहादि का प्रयोग किसी भी अन्य प्रयोजन के लिए, सिवाय विदेशी मदिरा बोतल में भरने और उसे संग्रह करने के लिये नहीं दिया जायेगा।

(2) लाइसेंसधारी उक्त भू-गृहादि में यथास्थिति जिलाधिकारी या आबकारी आयुक्त, की पूर्वलिखित स्वीकृति के बिना कोई परिवर्तन नहीं करेगा और इस प्रकार के सभी परिवर्तन लाइसेंसधारी द्वारा प्रस्तुत नक्शे में दिखाये जायेंगे।

(3)(एक) बोतल में भराई कार्य इस प्रयोजनार्थ अलग किये गये, पृथक कक्ष (कक्षों) में किया जायेगा। लाइसेंसधारी मदिरा के संग्रह के लिये भराई कक्ष (कक्षों) में बोतल भराई की टंकियां स्थापित करेगा। वह भराई कक्ष (कक्षों) में छानने, भराई करने या इससे सम्बन्धित प्रक्रिया के लिये आवश्यक उपकरण स्थापित करेगा।

(दो) विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट में मदिरा के आयतन तथा तीव्रता दोनों को मापने हेतु इलेक्ट्रानिक उपकरणों को लगाना, प्रयोग करना तथा अनुरक्षण करना

(क) विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट में कम से कम दो मास फ्लोमीटर होंगे, जिसमें एक स्प्रिट या ब्लेण्डेड विदेशी मदिरा की प्राप्ति के लिए होगा और दूसरा वांछित तीव्रता एवं माप की पेय विदेशी मदिरा की बोतल भराई को सुनिश्चित करेगा।

(ख) इन टैंकों में भंडारित किये गये स्प्रिट के स्तर को अभिलिखित किये जाने के लिए समस्त भण्डारण कुण्डों, रिडक्शन और ब्लेण्डिंग कुण्डों तथा बाटलिंग कुण्डों पर राडार आधारित लेबिल ट्रांसमीटर लगाये जायेंगे।

(ग) विदेशी मदिरा बाटलिंग लाइन पर दो इलेक्ट्रानिक बाटल काउन्टर होंगे, जिसमें पहला आटोमैटिक फिलिंग यूनिट के ठीक बाद के स्थान पर लगेगा तथा दूसरा उसी लाइन में सिक्योरिटी कोड लगाने के स्थान के ठीक बाद लगेगा। सम्बन्धित आसवनी/बाटलर्स विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट पर अपनी लागत पर इन बाटलिंग काउन्टरों को लगायेगा और अनुरक्षित करेगा।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(घ) मास फ्लोमीटर, राडार आधारित लेबिल ट्रांसमीटर, सेंसर आधारित इलेक्ट्रानिक बाटल काउन्टर्स, अन्य उपकरण/उपस्कर और इन युक्तियों के माध्यम से मापन किये जाने अभिलिखित किये जाने तथा पुरालिखित किये जाने हेतु अपेक्षित विनिर्दिष्ट पैरामीटर स्थापित किये जाने तथा उपयोग किये जाने से सम्बन्धित तकनीकी विनिर्दिष्टियों एवं मार्गदर्शी सिद्धान्तों का विवरण आबकारी आयुक्त द्वारा समय-समय पर अधिसूचित मानक प्रचालन प्रक्रिया में विहित किया जायेगा।

विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट का लाइसेंसधारी इन इलेक्ट्रानिक उपकरणों तथा अन्य सहायक उपकरणों के नियमित अनुरक्षण के लिए उत्तरदायी होगा। प्लान्ट में प्राप्त, वहाँ से जारी और उनमें अवशिष्ट स्प्रिट की मात्रा तथा तीव्रता को दर्शाते हुए विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट का विवरण, आबकारी विभाग के प्रभारी अधिकारी तथा अधिकारियों को निरन्तर इन उपकरणों से उपलब्ध होंगे। बाटलिंग प्लान्ट के प्रभारी अधिकारी या निरीक्षण अधिकारी द्वारा पता किये गये इन उपकरणों में किसी प्रकार की खराबी को तत्काल शुद्ध किया जायेगा और इस सम्बन्ध में उप आबकारी आयुक्त को भी सूचित किया जायेगा। इन उपकरणों के अपने अभिहित मानक के रूप में होने तक उक्त संयंत्र का संचालन स्थगित रहेगा।

(ङ) बाटलिंग प्लान्ट का प्रभारी अधिकारी, आबकारी आयुक्त द्वारा प्राधिकृत किसी प्रख्यापित संस्था द्वारा वित्तीय वर्ष में एक बार विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट में प्रयुक्त समस्त मास फ्लोमीटर का अंशांकन निश्चित करेगा और कम से कम तीन वर्ष तक ऐसे अंशांकन प्रमाण-पत्र को संरक्षित रखेगा।

(च) बाटलिंग प्लान्ट पर स्प्रिट के पहुँचने पर अपनायी जाने वाली प्रक्रिया- पारेषण के बाटलिंग प्लान्ट पर पहुँचने के तत्काल पश्चात प्रभारी अधिकारी उक्त विदेशी मदिरा को मास फ्लोमीटर के माध्यम से प्राप्त करने हेतु आवश्यक प्रबन्ध करेगा। प्रभारी अधिकारी मास फ्लोमीटर द्वारा दर्शाये गये डाटा से आयातित या परिवहन की गयी विदेशी मदिरा की मात्रा व तीव्रता को अभिलिखित करेगा। मास फ्लोमीटर से लाये गये डाटा की प्रक्रिया का मार्गदर्शन यथा उल्लिखित एस0ओ0पी० द्वारा किया जायेगा। वह पारेषण से आच्छादित पास पर मात्रा और तीव्रता को भी पृष्ठांकित करेगा। आबकारी सत्यापन प्रमाण-पत्र (ईवीसी) के प्रपत्र में रसीद की प्रविष्टियों सहित पास की एक प्रति तत्काल पारेषण निर्गत करने वाले अधिकारी को वापस की जायेगी और प्रविष्टियों सहित दूसरी प्रति प्लान्ट में रखी जायेगी।

**स्तम्भ-2**  
**एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(घ) मास फ्लोमीटर, राडार आधारित लेबिल ट्रांसमीटर, सेंसर आधारित इलेक्ट्रानिक बाटल काउन्टर्स, अन्य उपकरण/उपस्कर और इन युक्तियों के माध्यम से मापन किये जाने अभिलिखित किये जाने तथा पुरालिखित किये जाने हेतु अपेक्षित विनिर्दिष्ट पैरामीटर स्थापित किये जाने तथा उपयोग किये जाने से सम्बन्धित तकनीकी विनिर्दिष्टियों एवं मार्गदर्शी सिद्धान्तों का विवरण आबकारी आयुक्त द्वारा समय-समय पर अधिसूचित मानक प्रचालन प्रक्रिया में विहित किया जायेगा।

विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट का लाइसेंसधारी इन इलेक्ट्रानिक उपकरणों तथा अन्य सहायक उपकरणों के नियमित अनुरक्षण के लिए उत्तरदायी होगा। प्लान्ट में प्राप्त, वहाँ से जारी और उनमें अवशिष्ट स्प्रिट की मात्रा तथा तीव्रता को दर्शाते हुए विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट का विवरण, आबकारी विभाग के प्रभारी अधिकारी तथा अधिकारियों को निरन्तर इन उपकरणों से उपलब्ध होंगे। बाटलिंग प्लान्ट के प्रभारी अधिकारी या निरीक्षण अधिकारी द्वारा पता किये गये इन उपकरणों में किसी प्रकार की खराबी को तत्काल शुद्ध किया जायेगा और इस सम्बन्ध में उप आबकारी आयुक्त को भी सूचित किया जायेगा। इन उपकरणों के अपने अभिहित मानक के रूप में होने तक उक्त संयंत्र का संचालन स्थगित रहेगा।

(ङ) बाटलिंग प्लान्ट का प्रभारी अधिकारी, आबकारी आयुक्त द्वारा प्राधिकृत किसी प्रख्यापित संस्था द्वारा वित्तीय वर्ष में एक बार विदेशी मदिरा बाटलिंग प्लान्ट में प्रयुक्त समस्त मास फ्लोमीटर का अंशांकन निश्चित करेगा और कम से कम तीन वर्ष तक ऐसे अंशांकन प्रमाण-पत्र को संरक्षित रखेगा।

(च) बाटलिंग प्लान्ट पर स्प्रिट के पहुँचने पर अपनायी जाने वाली प्रक्रिया- पारेषण के बाटलिंग प्लान्ट पर पहुँचने के तत्काल पश्चात प्रभारी अधिकारी उक्त विदेशी मदिरा को मास फ्लोमीटर के माध्यम से प्राप्त करने हेतु आवश्यक प्रबन्ध करेगा। प्रभारी अधिकारी मास फ्लोमीटर द्वारा दर्शाये गये डाटा से आयातित या परिवहन की गयी विदेशी मदिरा की मात्रा व तीव्रता को अभिलिखित करेगा। मास फ्लोमीटर से लाये गये डाटा की प्रक्रिया का मार्गदर्शन यथा उल्लिखित एस0ओ0पी० द्वारा किया जायेगा। वह पारेषण से आच्छादित पास पर मात्रा और तीव्रता को भी पृष्ठांकित करेगा। आबकारी सत्यापन प्रमाण-पत्र (ईवीसी) के प्रपत्र में रसीद की प्रविष्टियों सहित पास की एक प्रति तत्काल पारेषण निर्गत करने वाले अधिकारी को वापस की जायेगी और प्रविष्टियों सहित दूसरी प्रति प्लान्ट में रखी जायेगी।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(iii) बाटलिंग प्लान्ट में स्प्रिट का भण्डारण— किसी बाटलिंग प्लान्ट में एक्सट्रा न्यूट्रल अल्कोहल या रिड्यूस्ड मदिरा कुण्डों या आबकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित किन्ही अन्य पात्रों में भण्डारित किया जायेगा। समस्त भण्डारण कुण्डों और रिडक्शन कुण्डों में टैंकों में रखे गये स्प्रिट के स्तर को अभिलिखित करने हेतु राडार आधारित लेबल ट्रांसमीटर स्थापित किया जायेगा और प्राधिकृत अधिकारी द्वारा इस सम्बन्ध में प्रमाणित अद्यतनकृत लेबल वाल्यूम टेबिल के अनुसार पी.एल.सी. होगा जिसमें बल्क लीटर में स्प्रिट की मात्रा को प्रदर्शित करने के लिए लेबल ट्रांसमीटर संलग्न होगा।

बोतलों में भरी गयी मदिरा अलग कक्ष (कक्षों) में रखी जायेगी। प्रत्येक कक्ष के बाहर एक तख्ती लगायी जायेगी जिस पर कक्ष का प्रयोग किस प्रयोजन के लिए किया जा रहा है, यह बात स्पष्ट रूप से लिखी जायेगी।

(4) प्रतिरक्षा कर्मियों और नागरिकों को आपूर्ति किये जाने के लिये आयातित भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के एक ही कक्ष में बोतल में भरा जा सकता है। उत्तर प्रदेश में आपूर्ति करने के लिये देशी मदिरा को बोतल में भरने के लिये आबकारी आयुक्त की पूर्वानुमति से बोतल में भरने के ऐसे कक्ष का उपयोग विशेष परिस्थितियों में किया जा सकता है।

परन्तु यह कि देशी मदिरा की बोतलों में भराई के समय किसी भी दशा में विदेशी मदिरा की बोतलों में भराई नहीं की जायेगी और प्रतिरक्षा कर्मियों और नागरिकों के लिये भारकारी आयुक्त की पूर्वानुमति से बोतल में भरने के ऐसे कक्ष का उपयोग विशेष परिस्थितियों में किया जा सकता है।

(5) प्रतिरक्षा कर्मियों के लिए रियायती उपशुल्क की दर पर दी जाने वाली भारत निर्मित विदेशी रम को केवल कर देय आसवनी में ही बोतलों में ही भराई करने की स्वीकृति दी जायेगी।

(6) जब लाइसेंसधारी बोतलों में भराई करना चाहें तब वह सहायक आबकारी आयुक्त को अड़तालिस घन्टे पूर्व उसकी सूचना देगा जिसमें स्पष्ट रूप से बोतल में भराई करने के लिए प्रस्तावित दिन तथा समय का उल्लेख होगा तथा प्रतिबन्ध यह है कि बोतलों में भराई रविवार या सार्वजनिक अवकाश के दिन भी की जा सकती है और अड़तालिस घन्टे का नोटिस देना आवश्यक न होगा, यदि बोतलों की भराई किसी आसवनी, यवासवनी या द्राक्षासवनी में की जाय। सामान्यतः प्रत्येक कार्मिक की ड्युटी आठ घन्टे से अधिक नहीं होगी तथा तीन शिफ्ट में प्रातः 06.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे तक तथा रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक होगी।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(तीन) बाटलिंग प्लान्ट में स्प्रिट का भण्डारण—किसी बाटलिंग प्लान्ट में एक्सट्रा न्यूट्रल अल्कोहल या रिड्यूस्ड मदिरा कुण्डों या आबकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित किन्ही अन्य पात्रों में भण्डारित किया जायेगा। समस्त भण्डारण कुण्डों और रिडक्शन कुण्डों में टैंकों में रखे गये स्प्रिट के स्तर को अभिलिखित करने हेतु राडार आधारित लेबल ट्रांसमीटर स्थापित किया जायेगा और प्राधिकृत अधिकारी द्वारा इस सम्बन्ध में प्रमाणित अद्यतनकृत लेबल वाल्यूम टेबिल के अनुसार पी.एल.सी. होगा जिसमें बल्क लीटर में स्प्रिट की मात्रा को प्रदर्शित करने के लिए लेबल ट्रांसमीटर संलग्न होगा।

बोतलों में भरी गयी मदिरा अलग कक्ष (कक्षों) में रखी जायेगी। प्रत्येक कक्ष के बाहर एक तख्ती लगायी जायेगी जिस पर कक्ष का प्रयोग किस प्रयोजन के लिए किया जा रहा है, यह बात स्पष्ट रूप से लिखी जायेगी।

(4) प्रतिरक्षा कर्मियों और नागरिकों को आपूर्ति किये जाने के लिये आयातित भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के एक ही कक्ष में बोतल में भरा जा सकता है। उत्तर प्रदेश में आपूर्ति करने के लिये देशी मदिरा को बोतल में भरने के लिये आबकारी आयुक्त की पूर्वानुमति से बोतल में भरने के ऐसे कक्ष का उपयोग विशेष परिस्थितियों में किया जा सकता है।

परन्तु यह कि देशी मदिरा की बोतलों में भराई के समय किसी भी दशा में विदेशी मदिरा की बोतलों में भराई नहीं की जायेगी और प्रतिरक्षा कर्मियों और नागरिकों के लिये भारत निर्मित विदेशी मदिरा की बोतलों में भराई एक साथ नहीं की जायेगी।

(5) प्रतिरक्षा कर्मियों के लिए रियायती उपशुल्क की दर पर दी जाने वाली भारत निर्मित विदेशी रम को केवल कर देय आसवनी में ही बोतलों में ही भराई करने की स्वीकृति दी जायेगी।

(6) जब लाइसेंसधारी बोतलों में भराई करना चाहें तब वह सहायक आबकारी आयुक्त को अड़तालिस घन्टे पूर्व उसकी सूचना देगा जिसमें स्पष्ट रूप से बोतल में भराई करने के लिए प्रस्तावित दिन तथा समय का उल्लेख होगा तथा प्रतिबन्ध यह है कि बोतलों में भराई रविवार या सार्वजनिक अवकाश के दिन भी की जा सकती है और अड़तालिस घन्टे का नोटिस देना आवश्यक न होगा, यदि बोतलों की भराई किसी आसवनी, यवासवनी या द्राक्षासवनी में की जाय। सामान्यतः प्रत्येक कार्मिक की ड्युटी आठ घन्टे से अधिक नहीं होगी तथा तीन शिफ्ट में प्रातः 06.00 बजे से अपराह्न 02.00 बजे तक तथा रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक होगी।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(7) सिवाय आबकारी आयुक्त की विशेष अनुज्ञा के और उसके अनुसार सम्मिश्रण (ब्लैण्डिंग) या तीव्रतारोह (रिड्यूसिंग) का निषेध है।

टिप्पणी:- पद “ब्लैण्डिंग” तथा (रिड्यूसिंग) का वही अर्थ होगा जो आबकारी मैनुअल खण्ड-1 (1962 संस्करण) के पैरा 45 में दिया हुआ है।

(8) सिवाय आबकारी आयुक्त की विशेष स्वीकृति के और उसके अनुसार विदेशी मदिरा में कोई सुवास पैदा करने वाला या रंगने वाला कोई पदार्थ अथवा कोई भी अन्य पदार्थ मिलाने का निषेध है।

(9) यदि बोतल में भरी गयी स्प्रिट उत्तर प्रदेश में विक्रय के लिये हो तो लाइसेंसधारी ब्रांडी, हिस्की या रम की दशा में 42 प्रतिशत अल्कोहल आयतन/आयतन से कम तीव्रताकी तथा ‘जिन’ की दशा में 36 प्रतिशत अल्कोहल/आयतन/आयतन से कम तीव्रता की विदेशी मदिरा को बोतल में नहीं भरेगा। उत्तर प्रदेश के बाहर विक्रय के लिए बोतल में भरी गई स्प्रिट ऐसी तीव्रता पर जारी की जायेगी जैसा कि उस राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या सम्बन्धित देश के विनियमों द्वारा अपेक्षित हो।

(10) (क) लाइसेंसधारी सिवाय नमूने के अतिरिक्त स्प्रिट व वाइन के लिए 60 मि०ली० से कम धारिता की बोतल का प्रयोग नहीं करेगा तथा बियर के लिए 300 मि०ली० से कम धारिता की बोतल का प्रयोग नहीं करेगा।

(ख) उत्तर प्रदेश में बिकी हेतु आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा अनुमोदित धारिता की बोतलों एवं फ्लास्कों का ही प्रयोग किया जायेगा।

(11) लाइसेंसधारी स्प्रिट, वाइन और बियर को बोतलों/फ्लास्कों/डिब्बों या ऐसी क्षमता वाले किसी अन्य पात्रों में, जैसा कि आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा अनुमोदित किया जाय, भरेगा।

(12) बोतलों/फ्लास्कों/डिब्बों या अन्य पात्रों पर यथास्थिति अंक और अक्षर स्प्रिट/वाइन/बियर और कम तीव्रता के मादक पेय की मात्रा को मिलीलीटरस में डाला या बालुकाच्छेपित (सैण्डब्लास्ट) किया जायेगा।

(13) ग्लास/पेट बोतलों के चेस्ट पर आबकारी आयुक्त द्वारा अधिसूचित समय अनुसूची के अनुसार शब्द “उत्तर प्रदेश आबकारी” उभरे हुए रूप में अंकित किये जायेंगे।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(7) सिवाय आबकारी आयुक्त की विशेष अनुज्ञा के और उसके अनुसार सम्मिश्रण (ब्लैण्डिंग) या तीव्रतारोह (रिड्यूसिंग) का निषेध है।

टिप्पणी:- पद “ब्लैण्डिंग” तथा (रिड्यूसिंग) का वही अर्थ होगा जो आबकारी मैनुअल खण्ड-1 (1962 संस्करण) के पैरा 45 में दिया हुआ है।

(8) सिवाय आबकारी आयुक्त की विशेष स्वीकृति के और उसके अनुसार विदेशी मदिरा में कोई सुवास पैदा करने वाला या रंगने वाला कोई पदार्थ अथवा कोई भी अन्य पदार्थ मिलाने का निषेध है।

(9) यदि बोतल में भरी गयी स्प्रिट का तात्पर्य उत्तर प्रदेश के भीतर विक्रय के लिये हो तो लाइसेंसधारी हिस्की की दशा में अन्यून 42 प्रतिशत अल्कोहल आयतन/आयतन की तीव्रता वाली अथवा जिन, वोदका, रम तथा ब्राण्डी की दशा में अन्यून 42 प्रतिशत अल्कोहल आयतन/आयतन और 36 प्रतिशत से अधिक अल्कोहल आयतन/आयतन की तीव्रता वाली किसी विदेशी मदिरा की बोतल भराई करेगा। उत्तर प्रदेश के बाहर विक्रय हेतु भरी गयी स्प्रिट, ऐसी तीव्रता पर जारी की जा सकती है जैसा कि राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या सम्बन्धित देश की विनियमावली द्वारा अपेक्षा की जाय।

(10) (क) लाइसेंसधारी सिवाय नमूने के अतिरिक्त स्प्रिट व वाइन के लिए 60 मि०ली० से कम धारिता की बोतल का प्रयोग नहीं करेगा तथा बियर के लिए 300 मि०ली० से कम धारिता की बोतल का प्रयोग नहीं करेगा।

(ख) उत्तर प्रदेश में बिकी हेतु आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा अनुमोदित धारिता की बोतलों एवं फ्लास्कों का ही प्रयोग किया जायेगा।

(11) लाइसेंसधारी स्प्रिट, वाइन और बियर को बोतलों/डिब्बों या ऐसी क्षमता वाले किसी अन्य पात्रों में, जैसा कि आबकारी आयुक्त उत्तर प्रदेश द्वारा अनुमोदित किया जाय, भरेगा।

(12) बोतलों/डिब्बों या अन्य पात्रों पर यथास्थिति अंक और अक्षर स्प्रिट/वाइन/बियर और कम तीव्रता के मादक पेय की मात्रा को मिलीलीटरस में डाला या बालुकाच्छेपित (सैण्डब्लास्ट) किया जायेगा।

(13) ग्लास/पेट बोतलों के चेस्ट पर आबकारी आयुक्त द्वारा अधिसूचित समय अनुसूची के अनुसार शब्द “उत्तर प्रदेश आबकारी” उभरे हुए रूप में अंकित किये जायेंगे।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(14) लाइसेंसधारी विदेशी मंदिर की भराई के लिए किसी ऐसी बोतल या फ्लास्क का प्रयोग नहीं करेगा जिस पर किसी अन्य भराई करने वाले या किसी अन्य आसवक या यवासवक या द्राक्षासवक का नाम या चिन्ह (मार्क) अंकित हो। तथापि आबकारी आयुक्त लाइसेंसधारी को 06 माह से अनधिक अवधि के लिए सम्बन्धित भराई करने वाले आसवक, यवासवक या द्राक्षासवक की सहमति से ऐसी बोतलों तथा फ्लास्क के प्रयोग की अनुमति दे सकते हैं।

(15) रियायती शुल्क की रम की भराई के लिए प्रयुक्त बोतलों पर शब्द “केवल सेना के लिए” और यदि इस रम का उत्तर प्रदेश से बाहर निर्यात किया जाना हो तो अक्षर “सी०एस०डी०” तथा यदि रम सेवा-क्रय संगठन को दिया जाना हो तो शब्द “ए०पी०ओ०” बालुकाच्छेपित (सैण्डब्लास्ट) या उभारे (एम्बास्ट) किये जायेंगे।

(16) (क) अन्य राज्य या संघ राज्य क्षेत्र या अन्य देश को निर्यात की जाने वाली भारत निर्मित विदेशी मंदिर की भराई ऐसे बोतलों में की जायेगी जिस पर सम्बन्धित राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या देश के विनियमों द्वारा अपेक्षित चिन्ह या संकेत हों।

(ख) निर्यात के लिए बोतलों में भरे जाने के निमित्त मंदिर ऐसे आकार की बोतलों में जारी की जा सकती है, जो सम्बन्धित राज्य संघ राज्य क्षेत्र या देश के विनियमों द्वारा अपेक्षित हो।

(17) विदेशी मंदिर की भराई के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त की जाने वाली बोतलें पहले पोटेशियम परमैगेनेट के घोल से फिर शुद्ध जल से ठीक तरह धोकर साफ की जायेगी।

(18) बोतल भर जाने के बाद तुरन्त उनमे कार्क, कैप्सूल तथा लेबिल लगाया जायेगा तथा वह मंदिर भरी हुई बोतलों के संग्रह कक्ष में ले जायी जायेगी। बोतलों में भराई की प्रत्येक प्रक्रिया “आपरेशन” की एक विशिष्ट क्रम संख्या दी जायेगी, जिसे बैच नम्बर कहा जायेगा। यह बैच नम्बर लेबिल पर लिखा जायेगा, जिसका डिजिटल रिकार्ड भी अनुरक्षित करते हुए आबकारी विभाग के आनलाइन अभिहित पोर्टल पर प्रस्तुत किया जायेगा।

(19) (1) भारत में निर्मित विदेशी मंदिर की दशा में बोतलों पर चिपकाये गये लेबिलों पर निम्नलिखित बाते स्पष्ट रूप से मुद्रित होंगी-

(क) बोतल में भरी हुई मंदिर का विवरण अर्थात् व्हिस्की, ब्राण्डी, रम, जिन आदि।

(ख) बोतल की प्रत्याभूत (गारन्टीड) द्रव मात्रा,

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(14) लाइसेंसधारी विदेशी मंदिर की भराई के लिए किसी ऐसी बोतल का प्रयोग नहीं करेगा जिस पर किसी अन्य भराई करने वाले या किसी अन्य आसवक या यवासवक या द्राक्षासवक का नाम या चिन्ह (मार्क) अंकित हो। तथापि आबकारी आयुक्त लाइसेंसधारी को 06 माह से अनधिक अवधि के लिए सम्बन्धित भराई करने वाले आसवक, यवासवक या द्राक्षासवक की सहमति से ऐसी बोतलों के प्रयोग की अनुमति दे सकते हैं।

(15) रियायती शुल्क की रम की भराई के लिए प्रयुक्त बोतलों पर शब्द “केवल सेना के लिए” और यदि इस रम का उत्तर प्रदेश से बाहर निर्यात किया जाना हो तो अक्षर “सी०एस०डी०” तथा यदि रम सेवा-क्रय संगठन को दिया जाना हो तो शब्द “ए०पी०ओ०” बालुकाच्छेपित (सैण्डब्लास्ट) या उभारे (एम्बास्ट) किये जायेंगे।

(16) (क) अन्य राज्य या संघ राज्य क्षेत्र या अन्य देश को निर्यात की जाने वाली भारत निर्मित विदेशी मंदिर की भराई ऐसे बोतलों में की जायेगी जिस पर सम्बन्धित राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या देश के विनियमों द्वारा अपेक्षित चिन्ह या संकेत हों।

(ख) निर्यात के लिए बोतलों में भरे जाने के निमित्त मंदिर ऐसे आकार की बोतलों में जारी की जा सकती है, जो सम्बन्धित राज्य संघ राज्य क्षेत्र या देश के विनियमों द्वारा अपेक्षित हो।

(17) विदेशी मंदिर की भराई के प्रयोजनार्थ प्रयुक्त की जाने वाली बोतलें पहले पोटेशियम परमैगेनेट के घोल से फिर शुद्ध जल से ठीक तरह धोकर साफ की जायेगी।

(18) बोतल भर जाने के बाद तुरन्त उनमे कार्क, कैप्सूल तथा लेबिल लगाया जायेगा तथा वह मंदिर भरी हुई बोतलों के संग्रह कक्ष में ले जायी जायेगी। बोतलों में भराई की प्रत्येक प्रक्रिया “आपरेशन” की एक विशिष्ट क्रम संख्या दी जायेगी, जिसे बैच नम्बर कहा जायेगा। यह बैच नम्बर लेबिल पर लिखा जायेगा, जिसका डिजिटल रिकार्ड भी अनुरक्षित करते हुए आबकारी विभाग के आनलाइन अभिहित पोर्टल पर प्रस्तुत किया जायेगा।

(19) (एक) भारत में निर्मित विदेशी मंदिर की दशा में बोतलों पर चिपकाये गये लेबिलों पर निम्नलिखित बाते स्पष्ट रूप से मुद्रित होंगी-

(क) बोतल में भरी हुई मंदिर का विवरण अर्थात् व्हिस्की, ब्राण्डी, रम, जिन आदि।

(ख) बोतल की प्रत्याभूत (गारन्टीड) द्रव मात्रा,

स्तम्भ-1  
विद्यमान नियम

(ग) हिंस्की, ब्राण्डी, रम या जिन की दशा में, बोतल में भरी हुई मदिरा की शक्ति,

(घ) शब्द “भारत में निर्मित”

(ङ) लाइसेंसधारी का नाम तथा पता

(च) लेबुल पर नीचे उल्लिखित आकार में विरोधाभाषी रंग में “फार सेल इन उत्तर प्रदेश ओनली” विकर्णवत मुद्रण:-

(क) 750 एम०एल० व उससे ऊपर के आकार की बोतलों में	8 एम०एम० आकार के अक्षरों में
(ख) 375 एम०एल० व उससे अधिक किन्तु 750 एम०एल० से कम के आकार की बोतलों में	4 एम०एम० आकार के अक्षरों में
(ग) 180 एम०एल० व उससे अधिक किन्तु 375 एम०एल० से कम के आकार की बोतलों में	2 एम०एम० आकार के अक्षरों में
(घ) 180 एम०एल० से कम के आकार की बोतलों में	1 एम०एम० आकार के अक्षरों में

(2) आयात की गयी मदिरा की दशा में बोतलों पर चिपकाए गये लेबिल पर निम्नलिखित विवरण स्पष्ट रूप से मुद्रित होगा-

(क) बोतल में, भरी हुई मदिरा का विवरण अर्थात हिंस्की, ब्राण्डी, रम, जिन आदि

(ख) बोतल की प्रत्याभूत मात्रा (गारन्टीड) द्रव मात्रा

(ग) हिंस्की, ब्राण्डी, रम या जिन की दशा में, बोतल में भरी हुई मदिरा की शक्ति,

(घ) शब्द “निर्मित” तथा मूल उत्पादक देश का नाम

(ङ) शब्द “बाटल्ड इन इण्डिया”

(च) लाइसेंसधारी का नाम तथा पता

स्तम्भ-2  
एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम

(ग) हिंस्की, ब्राण्डी, रम या जिन की दशा में, बोतल में भरी हुई मदिरा की शक्ति,

(घ) शब्द “भारत में निर्मित”

(ङ) लाइसेंसधारी का नाम तथा पता

(च) लेबुल पर नीचे उल्लिखित आकार में विरोधाभाषी रंग में “फार सेल इन उत्तर प्रदेश ओनली” विकर्णवत मुद्रण:-

(क) 750 एम०एल० व उससे ऊपर के आकार की बोतलों में	8 एम०एम० आकार के अक्षरों में
(ख) 375 एम०एल० व उससे अधिक किन्तु 750 एम०एल० से कम के आकार की बोतलों में	4 एम०एम० आकार के अक्षरों में
(ग) 180 एम०एल० व उससे अधिक किन्तु 375 एम०एल० से कम के आकार की बोतलों में	2 एम०एम० आकार के अक्षरों में
(घ) 180 एम०एल० से कम के आकार की बोतलों में	1 एम०एम० आकार के अक्षरों में

(दो) आयात की गयी मदिरा की दशा में बोतलों पर चिपकाए गये लेबिल पर निम्नलिखित विवरण स्पष्ट रूप से मुद्रित होगा-

(क) बोतल में, भरी हुई मदिरा का विवरण अर्थात हिंस्की, ब्राण्डी, रम, जिन आदि

(ख) बोतल की प्रत्याभूत मात्रा (गारन्टीड) द्रव मात्रा

(ग) हिंस्की, ब्राण्डी, रम या जिन की दशा में, बोतल में भरी हुई मदिरा की शक्ति,

(घ) शब्द “निर्मित” तथा मूल उत्पादक देश का नाम

(ङ) शब्द “बाटल्ड इन इण्डिया”

(च) लाइसेंसधारी का नाम तथा पता

## स्तम्भ-1

### विद्यमान नियम

(छ:) लेबुल पर नीचे उल्लिखित आकार में विरोधाभाषी रंग में  
“फार सेल इन उत्तर प्रदेश ओनली” विकर्णवत मुद्रण:-

(क) 750 एम0एल0 व उससे ऊपर के आकार की बोतलों में	8 एम0एम0 आकार के अक्षरों में
(ख) 375 एम0एल0 व उससे अधिक किन्तु 750 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में	4 एम0एम0 आकार के अक्षरों में
(ग) 180 एम0एल0 व उससे अधिक किन्तु 375 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में	2 एम0एम0 आकार के अक्षरों में
(घ) 180 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में	1 एम0एम0 आकार के अक्षरों में

(3) प्रतिरक्षा कर्मचारियों के प्रयोग के लिए विदेशी मदिरा की बोतलों पर चिपकाए गये लेबिलों पर भी निम्नलिखित संकेत-वाक्य (लीजेंड) मुद्रित किया जायेगा। लेबिल के शीर्ष पर, लाल स्थाही में निम्नलिखित संकेत वाक्य-

“केवल प्रतिरक्षा कर्मचारियों को बिक्री के लिए” लेबिल के आर-पार विकर्णवत लाल स्याही में निम्नलिखित संकेत पाक्य-

“प्रतिरक्षा कर्मचारियों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा रखना पूर्णतः निषेध है”

(4) किसी अन्य राज्य या संघ राज्य क्षेत्र या अन्य देश को निर्यात के लिए बोतल में भरी गई मदिरा के लेबिल ऐसे आकार (डिजाइन) के होंगे और उस पर ऐसे शब्द अंकित होंगे, जैसा कि उस राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या सम्बन्धित देश के विनियमों द्वारा अपेक्षित हो। देश के भीतर अन्य राज्यों को निर्यात किये जाने हेतु लेबिलों पर शब्द “उत्तर प्रदेश राज्य से बाहर बिकी हेतु” भी अधिमुद्रित किये जायेंगे तथा देश के बाहर निर्यात किये जाने हेतु लेबुलों पर शब्द “केवल समुद्रपार निर्यात हेतु” अधिमुद्रित किये जायेंगे। ऐसे अधिमुद्रण हेतु प्रयुक्त किया जाने वाला प्रकार, नीचे उल्लिखित आकार से कम का नहीं होगा—

<p>(क) 750 एम0एल0 व उससे ऊपर के आकार की बोतलों में</p>	<p>8 एम0एम0 आकार के अक्षरों में</p>
<p>(ख) 375 एम0एल0 व उससे अधिक किन्तु 750 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में</p>	<p>4 एम0एम0 आकार के अक्षरों में</p>
<p>(ग) 180 एम0एल0 व उससे अधिक किन्तु 375 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में</p>	<p>2 एम0एम0 आकार के अक्षरों में</p>
<p>(घ) 180 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में</p>	<p>1 एम0एम0 आकार के अक्षरों में</p>

## स्तम्भ-२

## एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम

(छ:) लेबुल पर नीचे उल्लिखित आकार में विरोधाभाषी रंग में “फार सेल इन उत्तर प्रदेश ओनली” विकर्णवत मरण:-

(क) 750 एम0एल0 व उससे ऊपर के आकार की बोतलों में	8 एम0एम0 आकार के अक्षरों में
(ख) 375 एम0एल0 व उससे अधिक किन्तु 750 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में	4 एम0एम0 आकार के अक्षरों में
(ग) 180 एम0एल0 व उससे अधिक किन्तु 375 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में	2 एम0एम0 आकार के अक्षरों में
(घ) 180 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में	1 एम0एम0 आकार के अक्षरों में

(तीन) प्रतिरक्षा कर्मचारियों के प्रयोग के लिए विदेशी मदिरा की बोतलों पर चिपकाए गये लेबिलों पर भी निम्नलिखित संकेत-वाक्य (लीजेंड) मुद्रित किया जायेगा। लेबिल के शीर्ष पर, लाल स्थाही में निम्नलिखित संकेत वाक्य-

“केवल प्रतिरक्षा कर्मचारियों को बिकी के लिए” लेबिल के आर-पार विकर्णवत लाल स्याही में निम्नलिखित संकेत वाक्य—

“प्रतिरक्षा कर्मचारियों से भिन्न व्यक्तियों द्वारा रखना पूर्णतः निषेध है”

**(चार)** किसी अन्य राज्य या संघ राज्य क्षेत्र या अन्य देश को निर्यात के लिए बोतल में भरी गई मदिरा के लेबिल ऐसे आकार (डिजाइन) के होंगे और उस पर ऐसे शब्द अंकित होंगे, जैसा कि उस राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या सम्बन्धित देश के विनियमों द्वारा अपेक्षित हो। देश के भीतर अन्य राज्यों को निर्यात किये जाने हेतु लेबिलों पर शब्द “उत्तर प्रदेश राज्य से बाहर बिकी हेतु” भी अधिमुद्रित किये जायेंगे तथा देश के बाहर निर्यात किये जाने हेतु लेबुलों पर शब्द “केवल समुद्रपार निर्यात हेतु” अधिमुद्रित किये जायेंगे। ऐसे अधिमुद्रण हेतु प्रयुक्त किया जाने वाला प्रकार, नीचे उल्लिखित आकार से कम का नहीं होगा-

(क) 750 एम0एल0 व उससे ऊपर के आकार की बोतलों में	8 एम0एम0 आकार के अक्षरों में
(ख) 375 एम0एल0 व उससे अधिक किन्तु 750 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में	4 एम0एम0 आकार के अक्षरों में
(ग) 180 एम0एल0 व उससे अधिक किन्तु 375 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में	2 एम0एम0 आकार के अक्षरों में
(घ) 180 एम0एल0 से कम के आकार की बोतलों में	1 एम0एम0 आकार के अक्षरों में

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(5) बोतलों पर लेबिल इस प्रकार चिपकाए जायेंगे, जिससे कि वे सरलता से पहचाने जा सकें। बोतलों पर उभारे गये या बालुकाक्षेपित किसी भी शब्द अक्षर या अंक पर लेबिल नहीं चिपकाया जायेगा।

(6)(क) प्रत्येक वर्ष लेबुल का प्रयोग करने के पूर्व लाइसेंसधारी उसकी ठीक वैसी ही चार प्रतियाँ आबकारी आयुक्त द्वारा समय-समय पर निर्धारित प्रति लेबुल धारितावार प्रतिवर्ष लेबुल अनुमोदन शुल्क जमा करके उसके चालान की मूल प्रति के साथ सहायक आबकारी आयुक्त प्रभारी (आसवनी, यवासवनी व द्रक्षासवनी) को प्रस्तुत करेगा, जो उन्हें आबकारी आयुक्त को उनके अनुमोदनार्थ भेजेंगे। आबकारी आयुक्त या उनके द्वारा अधिकृत कोई अधिकारी, लेबुल को अनुमोदित करेंगे, तो उस पर नम्बर अंकित करेंगे और अपनी शासकीय मुहर लगायेंगे। एक प्रति आबकारी आयुक्त के कार्यालय में अभिलेखार्थ रखी जायेगी तथा शेष तीन प्रतियाँ सहायक आबकारी आयुक्त प्रभारी (आसवनी, यवासवनी व द्रक्षासवनी) को वापस कर दी जायेगी, जो उसकी एक प्रति सम्बन्धित (आसवनी, यवासवनी व द्रक्षासवनी) को दूसरी प्रति प्रभारी निरीक्षक को सूचनार्थ एवं अभिलेखार्थ देगा। तीसरी प्रति अपने कार्यालय में अभिलेखार्थ रखेंगे। लाइसेंसधारी लेबुल के सम्बन्ध में आबकारी आयुक्त द्वारा जारी किये गये निर्देशों का अनुपालन करेगा।

(ख) राज्य सरकार द्वारा यथाविहित शर्तों एवं प्रक्रिया के अधीन आगामी वर्ष हेतु लेबिलों का नवीकरण किया जा सकेगा।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(पैंच) बोतलों पर लेबिल इस प्रकार चिपकाए जायेंगे, जिससे कि वे सरलता से पहचाने जा सकें। बोतलों पर उभारे गये या बालुकाक्षेपित किसी भी शब्द अक्षर या अंक पर लेबिल नहीं चिपकाया जायेगा।

(छ:) (क) लेबुल का प्रयोग करने के पूर्व लाइसेंसधारी सिवाय उस दशा में जहाँ लेबुल नवीकरण हेतु आवेदन किया गया हो, उसकी ठीक वैसी ही चार प्रतियाँ, आबकारी आयुक्त द्वारा समय-समय पर यथा विहित उसके चालान की मूल प्रति के साथ आसवनी, यवासवनी व द्रक्षासवनी में नियुक्त, सहायक आबकारी आयुक्त, को प्रस्तुत करेगा, जो उन्हें आबकारी आयुक्त अथवा उनके द्वारा प्राधिकृत किसी अधिकारी को उनके अनुमोदनार्थ भेजेंगे। यदि आबकारी आयुक्त या उसके द्वारा प्राधिकृत अधिकारी, यदि लेबुल को अनुमोदित करेगा, तो उस पर नम्बर अंकित करे और अपनी शासकीय मुहर लगायेगा। एक प्रति आबकारी आयुक्त के कार्यालय में अभिलेखार्थ रखी जायेगी तथा शेष तीन प्रतियाँ सहायक आबकारी आयुक्त प्रभारी (आसवनी, यवासवनी व द्रक्षासवनी) को वापस कर दी जायेगी, जो उसकी एक प्रति सम्बन्धित (आसवनी, यवासवनी व द्रक्षासवनी) को दूसरी प्रति प्रभारी निरीक्षक को सूचनार्थ एवं अभिलेखार्थ देगा। तीसरी प्रति अपने कार्यालय में अभिलेखार्थ रखेगा। लाइसेंसधारी लेबुल के सम्बन्ध में आबकारी आयुक्त द्वारा जारी किये गये निर्देशों का अनुपालन करेगा।

(ख) राज्य सरकार द्वारा यथाविहित शर्तों एवं प्रक्रियाओं के अधीन तीन वर्ष तक के लिए लेबिलों का नवीकरण किया जा सकेगा।

परन्तु यह कि किसी लेबिल अनुमोदन के लिए आवेदन ग्रहण नहीं किया जायेगा, जो सम्बन्धित मदिरा के ब्रांड के लिये किसी विधिमान्य ट्रेडमार्क रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र या डब्ल्यूआई०पी०आ०० या अन्य समतुल्य रजिस्ट्रेकरण प्रमाणपत्र की प्रति के बिना या सक्षम प्राधिकारी के समक्ष इस निमित्त दाखिल आवेदन की रसीद की प्रति के बिना प्रस्तुत किया गया है:

परन्तु यह और कि ऐसे किसी मदिरा के ब्रांड का लेबुल अनुमोदित नहीं किया जायेगा जो जी०एस०-१ के साथ रजिस्ट्री करार न हो या जी०एस०-१ के साथ रजिस्ट्रीकरण के लिये आवेदित न किया गया हो:

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(7) राज्य में निर्मित या भराई की गयी विदेशी मदिरा की पेटियों (कार्टन) की सभी छः सतहों (फेस) पर गाढ़े लाल रंग की डेढ़ इंच चौड़ी पट्टी पर कम से कम एक इंच आकार के काले रंग के अक्षरों में “फार सेल इन यूपी” मुद्रित कराया जायेगा तथा पैकड कार्टन पर आबकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित सुरक्षा कोड लगाने के साथ विभिन्न धारिता/तीव्रता/ब्राण्ड/पैकेजिंग टाइप की बोतलों की विनिर्दिष्ट संख्या पैकड कार्टन पर अंकित किया जायेगा।

(20) (1) जब तक कि आबकारी आयुक्त ने अन्यथा स्वीकृति न दी हो, तब तक सभी बोतलें पिल्फर प्लूफ कैप्सूल या काउन कार्क सहित अल्मूनियम कैप्सूल द्वारा मजबूती से इस प्रकार सील बन्द की जायेंगी कि कैप्सूल को बिना काटे या तोड़े बोतल को खोलना सम्भव न हो, विभिन्न प्रकार की मदिरा के लिये प्रयुक्त किये जाने वाले कैप्सूल मानक आकार के होंगे तथा उनके शीर्ष पर लाइसेंसधारी का नाम अंकित होगा।

(2) अन्य राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या देश को निर्यात की जाने वाली मदिरा की बोतलों पर प्रयुक्त होने वाले कैप्सूल पर ऐसे शब्द अंकित होंगे, जैसा कि आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश समय-समयपर निर्देश दें।

(3) लाइसेंसधारी अनिवार्य रूप से ऐसे कैप्सूल का प्रयोग करेगा, जो “इण्डियन स्टैण्डर्ड इन्स्टीट्यूट” द्वारा अनुमोदित प्रकार (पैटर्न) तथा विनिर्दिष्टों के अनुरूप हो व कैप्सूल के सम्बन्ध में आबकारी आयुक्त द्वारा समय-समय पर जारी किये गये अनुदेशों का पालन करेगा।

(21) लाइसेंसधारी निम्नलिखित रजिस्टरों में लेखा रखेगा—

(1) प्रपत्र वि०म० ख-३ में रजिस्टर, जिसमें लाइसेंसधारी बोतल में भरने के लिये प्राप्त तथा जारी की गयी मदिरा की मात्रा, उसका विवरण तथा उसकी तीव्रता दर्ज करेगा।

(2) प्रपत्र वि०म० ख-४ में रजिस्टर, जिसमें लाइसेंसधारी बोतल में भराई के लिये की गई प्रक्रिया का विवरण लिखेगा।

(3) प्रपत्र. वि०म० ख-५ में रजिस्टर, जिसमें लाइसेंसधारी भराई की गई तथा लाइसेंस प्राप्त भू-गृहादि में संग्रह की गयी विदेशी मदिरा की बोतलों का दैनिक लेखा रखेगा।

(4) प्रपत्र वि०म० ख-६ में खाता बही, जिसमें लाइसेंसधारी लाइसेंस प्राप्त भू-गृहादि में सम्पन्न किये गये सभी कार्य की संक्षिप्ति दर्ज करेगा।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(सात) राज्य में निर्मित या भराई की गयी विदेशी मदिरा की पेटियों (कार्टन) की सभी छः सतहों (फेस) पर गाढ़े लाल रंग की डेढ़ इंच चौड़ी पट्टी पर कम से कम एक इंच आकार के काले रंग के अक्षरों में “फार सेल इन यूपी” मुद्रित कराया जायेगा तथा पैकड कार्टन पर आबकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित सुरक्षा कोड लगाने के साथ विभिन्न धारिता/तीव्रता/ब्राण्ड/पैकेजिंग टाइप की बोतलों की विनिर्दिष्ट संख्या पैकड कार्टन पर अंकित किया जायेगा।

(20) (एक) जब तक कि आबकारी आयुक्त ने अन्यथा स्वीकृति न दी हो, तब तक सभी बोतलें पिल्फर प्लूफ कैप्सूल या काउन कार्क सहित अल्मूनियम कैप्सूल द्वारा मजबूती से इस प्रकार सील बन्द की जायेंगी कि कैप्सूल को बिना काटे या तोड़े बोतल को खोलना सम्भव न हो, विभिन्न प्रकार की मदिरा के लिये प्रयुक्त किये जाने वाले कैप्सूल अनुमोदित नहीं किया जायेगा जो GS-1 के साथ रजिस्ट्रीकरण के लिए आवेदित न किया गया हो। वाले कैप्सूल मानक आकार के होंगे तथा उनके शीर्ष पर लाइसेंसधारी का नाम अंकित होगा।

(दो) अन्य राज्य, संघ राज्य क्षेत्र या देश को निर्यात की जाने वाली मदिरा की बोतलों पर प्रयुक्त होने वाले कैप्सूल पर ऐसे शब्द अंकित होंगे, जैसा कि आबकारी आयुक्त, उत्तर प्रदेश द्वारा अपेक्षित हो।

(तीन) लाइसेंसधारी अनिवार्य रूप से ऐसे कैप्सूल का प्रयोग करेगा, जो “इण्डियन स्टैण्डर्ड इन्स्टीट्यूट” द्वारा अनुमोदित प्रकार (पैटर्न) तथा विनिर्दिष्टों के अनुरूप हो व कैप्सूल के सम्बन्ध में आबकारी आयुक्त द्वारा समय-समय पर जारी किये गये अनुदेशों का पालन करेगा।

(21) लाइसेंसधारी निम्नलिखित रजिस्टरों में लेखा रखेगा—

(एक) प्रपत्र वि०म० ख-३ में रजिस्टर, जिसमें लाइसेंसधारी बोतल में भरने के लिये प्राप्त तथा जारी की गयी मदिरा की मात्रा, उसका विवरण तथा उसकी तीव्रता दर्ज करेगा।

(दो) प्रपत्र वि०म० ख-४ में रजिस्टर, जिसमें लाइसेंसधारी बोतल में भराई के लिये की गई प्रक्रिया का विवरण लिखेगा।

(तीन) प्रपत्र. वि०म० ख-५ में रजिस्टर, जिसमें लाइसेंसधारी भराई की गई तथा लाइसेंस प्राप्त भू-गृहादि में संग्रह की गयी विदेशी मदिरा की बोतलों का दैनिक लेखा रखेगा।

(चार) प्रपत्र वि०म० ख-६ में खाता बही, जिसमें लाइसेंसधारी लाइसेंस प्राप्त भू-गृहादि में सम्पन्न किये गये सभी कार्य की संक्षिप्ति दर्ज करेगा।

## स्तम्भ-1

## विद्यमान नियम

(5) प्रपत्र विं०म० ख-७ में रजिस्टर, जिसमें लाइसेंसधारी महीने के अन्त में राडार आधारित लेबिल ट्रांसमीटर के माध्यम से पी.एल.सी. द्वारा यथाप्रदर्शित मदिरा की बल्क (जो बोतल में न भरी गई हो) तथा बोतल में भरी गई मात्रा दर्ज करेगा।

(6) प्रपत्र विं०म० ख-८ में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रमाणित कुण्डों की लेबिल वाल्यूम टेबिल

(7) प्रपत्र विं०म० ख-९ में कुण्डों की लेबेल वाल्यूम टेबिल

(8) ये प्रपत्र डिजिटली भी अनुरक्षित किये जायेंगे तथा आबकारी विभाग के अभिहित पोर्टल पर दैनिक अपलोड किये जायेंगे।

(22) लाइसेंसधारी उत्तर प्रदेश में विक्रय की जाने वाली भारत निर्मित विदेशी मदिरा, बियर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय के प्रत्येक बोतल/मोनोकार्टन, कैन अथवा टेट्रा पैक सहित पैकिंग कार्टन पर जिसमें बोतलों की संख्या/धारिता/तीव्रता/ब्राण्ड/पैकेजिंग का प्रकार अंकित होगा, शुल्क के भुगतान के प्रमाण के रूप में आबकारी विभाग द्वारा अनुमोदित सुरक्षा कोड भराई के तुरन्त बाद निकासी के पूर्व लगायेगा तथा इस सम्बन्ध में यथानिर्धारित व्यवस्था आसवक/यवासवक/द्राक्षासवक द्वारा अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जायेगी। यह सभी रिकार्ड डिजिटल भी अनुरक्षित करने के साथ ही विभागीय पोर्टल पर प्रतिदिन अपलोड किये जायेंगे।

(23) लाइसेंसधारी उत्तर प्रदेश में विक्रय की जाने वाली भारत निर्मित विदेशी मदिरा, बियर व वाइन के लेबुलों पर अधिकतम फुटकर विक्रय मूल्य इस प्रकार अंकित करेगा जो सरलता से दृष्ट हो।

(24) भराई करने वाली इकाई को सालिडवेस्ट मैनेजमेन्ट रूल्स, 2016 में विहित रिसाइकिलिंग एवं अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु ऐसी समस्त व्यवस्था करना होगा।

4-नियम-7 का संशोधन-उक्त नियमावली में नीचे स्तम्भ-1 में दिया जायेगा, अर्थात:-

## स्तम्भ-1

## विद्यमान नियम

7. विं०म०-३ में अनुज्ञापन के अधीन कर देय “बाण्ड में‘भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त विशेष शर्तें लागू होंगी:-

(1) अनुज्ञापी प्रपत्र पी०डी०बी० में एक अनुबन्ध पत्र “बाण्ड” आबकारी आयुक्त द्वारा निश्चित की गयी प्रतिभूति के साथ निष्पादित करेगा। प्रतिभूति या तो नकदी में या ब्याज वाहक प्रतिभूति, सरकारी प्रामिश्री नोट, राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र, डाक घर बचत बैंक पास बुक या डाकघर नकद प्रमाण पत्र में या स्टेट बैंक आफ इण्डिया या राज्य सरकार द्वारा यथाविधि अनुमोदित किसी अन्य बैंक की नियतकालिक जमा की रसीदों के रूप में दी जायेगी। यदि किसी समय आबकारी आयुक्त किसी कारण से यह समझता हो कि प्रतिभूति की इस प्रकार निश्चित की गयी धनराशि अपर्याप्त या अत्यधिक है, तो वह उसे बढ़ा या घटा सकता है।

## स्तम्भ-2

## एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

(पॉच) प्रपत्र विं०म० ख-७ में रजिस्टर, जिसमें लाइसेंसधारी महीने के अन्त में राडार आधारित लेबिल ट्रांसमीटर के माध्यम से पी.एल.सी. द्वारा यथाप्रदर्शित मदिरा की बल्क (जो बोतल में न भरी गई हो) तथा बोतल में भरी गई मात्रा दर्ज करेगा।

(छ) प्रपत्र विं०म० ख-८ में प्राधिकृत अधिकारी द्वारा प्रमाणित कुण्डों की लेबिल वाल्यूम टेबिल

(सात) प्रपत्र विं०म० ख-९ में कुण्डों की लेबेल वाल्यूम टेबिल

(आठ) ये प्रपत्र डिजिटली भी अनुरक्षित किये जायेंगे तथा आबकारी विभाग के अभिहित पोर्टल पर दैनिक अपलोड किये जायेंगे।

(22) लाइसेंसधारी उत्तर प्रदेश में विक्रय की जाने वाली भारत

निर्मित विदेशी मदिरा, बियर, वाइन एवं कम तीव्रता के मादक पेय के प्रत्येक बोतल/मोनोकार्टन, कैन अथवा टेट्रा पैक सहित पैकिंग कार्टन पर जिसमें बोतलों की संख्या/धारिता/तीव्रता/ब्राण्ड/पैकेजिंग का प्रकार अंकित होगा, शुल्क के भुगतान के प्रमाण के रूप में आबकारी विभाग द्वारा अनुमोदित सुरक्षा कोड भराई के तुरन्त बाद निकासी के पूर्व लगायेगा तथा इस सम्बन्ध में यथानिर्धारित व्यवस्था आसवक/यवासवक/द्राक्षासवक द्वारा अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जायेगी। यह सभी रिकार्ड डिजिटल भी अनुरक्षित करने के साथ ही विभागीय पोर्टल पर प्रतिदिन अपलोड किये जायेंगे।

(23) लाइसेंसधारी उत्तर प्रदेश में विक्रय की जाने वाली भारत निर्मित विदेशी मदिरा, बियर व वाइन के लेबुलों पर अधिकतम फुटकर विक्रय मूल्य इस प्रकार अंकित करेगा जो सरलता से दृष्ट हो।

(24) भराई करने वाली इकाई को सालिडवेस्ट मैनेजमेन्ट रूल्स, 2016 में विहित रिसाइकिलिंग एवं अपशिष्ट प्रबन्धन हेतु ऐसी समस्त व्यवस्था करना होगा।

## स्तम्भ-2

## एतद्वारा प्रतिस्थापित नियम

7. विं०म०-३ में अनुज्ञापन के अधीन कर देय “बाण्ड में‘भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के लिए निम्नलिखित अतिरिक्त विशेष शर्तें लागू होंगी:-

(1) लाइसेंसधारी प्रपत्र पी०डी०बी० में एक अनुबन्ध पत्र “बाण्ड” आबकारी आयुक्त द्वारा निश्चित की गयी प्रतिभूति के साथ निष्पादित करेगा। प्रतिभूति या तो नकदी में या ब्याज वाहक प्रतिभूति, सरकारी प्रामिश्री नोट, राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र, डाक घर बचत बैंक पास बुक या डाकघर नकद प्रमाण पत्र में या स्टेट बैंक आफ इण्डिया या राज्य सरकार द्वारा यथाविधि अनुमोदित किसी अन्य बैंक की नियतकालिक जमा की रसीदों के रूप में दी जायेगी। यदि किसी समय आबकारी आयुक्त किसी कारण से यह समझता हो कि प्रतिभूति की इस प्रकार निश्चित की गयी धनराशि अपर्याप्त या अत्यधिक है, तो वह उसे बढ़ा या घटा सकता है।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(2) बोतलों में भराई से सम्बन्धित प्रक्रिया आबकारी निरीक्षक की देख रेख में की जायेगी।

(3) आबकारी आयुक्त बोतल में भराई से सम्बन्धित प्रक्रिया की उचित देखरेख के लिए आवश्यक आबकारी कर्मचारियों "पर्सनल" की संख्या निश्चित करेगा और उसके निर्णय का पालन करने के लिए अनुज्ञापी बाध्य होगा।

अनुज्ञापी आबकारी आयुक्त के संतोषानुसार आबकारी कर्मचारियों के लिए भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतलों में भरने के लिए कर देय गोदाम के निकट, प्रत्येक कर्मचारी के मासिक वेतन के 10 प्रतिशत से अनधिक किराये पर क्वार्टरों की व्यवस्था करेगा।

अनुज्ञापी क्वार्टरों तथा उनके लगे स्थानों को ठीक प्रकार से मरम्मत कराकर रखने के लिए बाध्य होगा तथा उसमें रहने वाले अधिकारी को उसके प्रयोग या उसके उपभोग में न तो बाधा पहुँचायेगा और न परेशान करेगा। यदि कोई प्रश्न उठे कि आवास स्थान के प्रकार तथा पर्याप्तता को ध्यान में रखते हुए ऐसे क्वार्टरों के स्वामी द्वारा मांगा गया किराया ठीक तथा उचित है या नहीं तो यह मामला आबकारी आयुक्त को अभिदिष्ट किया जायेगा जिसका निर्णय अन्तिम होगा तथा अनुज्ञापी पर बाध्यकर होगा।

(4) बोतल में भराई सम्बन्धित पृथक कक्षों में की जायेगी जो भराई कक्ष कहलायेंगे और जो इस प्रयोजन के लिए भू-गृहादि के भीतर विदेशी मदिरा संग्रहागार के पास होगा। इन कक्षों में अनुज्ञापी छानने, भरायी करने या इससे सम्बन्धित किसी भी प्रक्रिया के लिए आवश्यक उपकरण स्थापित करेगा। बोतल भराई करने के कक्षों में विदेशी मदिरा का संग्रह करने के लिए बोतल भराई की टंकियां स्थापित की जायेंगी। बोतल में भरी मदिरा का संग्रह पृथक कक्षों में किया जायेगा।

सभी कक्ष भलीभूति हवादार होंगे। सभी खिड़कियां और रोशनदानों में मजबूत लोहे के छड़ लगाये जायेंगे, जो सीमेन्ट से जड़े होंगे और उनमें तार की जाली लगायी जायेगी, जाली के छिद्र 25 मि०मी० से अधिक बड़े नहीं होंगे। प्रत्येक कक्ष के बाहर एक दखती लगायी जायेगी जिस परस्पर रूप से जिस उददेश्य के लिए उस कक्ष का प्रयोग किया जा रहा है, अंकित किया जायेगा। आबकारी निरीक्षक तथा अनुज्ञापी सभी कक्षों में अपने अलग ताले बन्द करेंगे।

(5) बोतल में भराई कार्य मांग के अनुरूप लगातार किया जायेगा।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(2) बोतलों में भराई से सम्बन्धित प्रक्रिया आबकारी निरीक्षक की देख रेख में की जायेगी।

(3) आबकारी आयुक्त बोतल में भराई से सम्बन्धित प्रक्रिया की उचित देखरेख के लिए आवश्यक आबकारी कर्मचारियों "पर्सनल" की संख्या निश्चित करेगा और उसके निर्णय का पालन करने के लिए लाइसेंसधारी बाध्य होगा।

लाइसेंसधारी आबकारी आयुक्त के संतोषानुसार आबकारी कर्मचारियों के लिए भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतलों में भरने के लिए कर देय गोदाम के निकट, प्रत्येक कर्मचारी के मासिक वेतन के 10 प्रतिशत से अनधिक किराये पर क्वार्टरों की व्यवस्था करेगा।

लाइसेंसधारी क्वार्टरों तथा उनके लगे स्थानों को ठीक प्रकार से मरम्मत कराकर रखने के लिए बाध्य होगा तथा उसमें रहने वाले अधिकारी को उसके प्रयोग या उसके उपभोग में न तो बाधा पहुँचायेगा और न परेशान करेगा। यदि कोई प्रश्न उठे कि आवास स्थान के प्रकार तथा पर्याप्तता को ध्यान में रखते हुए ऐसे क्वार्टरों के स्वामी द्वारा मांगा गया किराया ठीक तथा उचित है या नहीं तो यह मामला आबकारी आयुक्त को अभिदिष्ट किया जायेगा जिसका निर्णय अन्तिम होगा तथा लाइसेंसधारी पर बाध्यकर होगा।

(4) बोतल में भराई सम्बन्धित पृथक कक्षों में की जायेगी जो भराई कक्ष कहलायेंगे और जो इस प्रयोजन के लिए भू-गृहादि के भीतर विदेशी मदिरा संग्रहागार के पास होगा। इन कक्षों में लाइसेंसधारी छानने, भरायी करने या इससे सम्बन्धित किसी भी प्रक्रिया के लिए आवश्यक उपकरण स्थापित करेगा। बोतल भराई करने के कक्षों में विदेशी मदिरा का संग्रह करने के लिए बोतल भराई की टंकियां स्थापित की जायेंगी। बोतल में भरी मदिरा का संग्रह पृथक कक्षों में किया जायेगा।

सभी कक्ष भलीभूति हवादार होंगे। सभी खिड़कियां और रोशनदानों में मजबूत लोहे के छड़ लगाये जायेंगे, जो सीमेन्ट से जड़े होंगे और उनमें तार की जाली लगायी जायेगी, जाली के छिद्र 25 मि०मी० से अधिक बड़े नहीं होंगे। प्रत्येक कक्ष के बाहर एक तख्ती लगायी जायेगी जिस परस्पर रूप से जिस उददेश्य के लिए उस कक्ष का प्रयोग किया जा रहा है, अंकित किया जायेगा। आबकारी निरीक्षक तथा लाइसेंसधारी सभी कक्षों में अपने अलग ताले बन्द करेंगे।

(5) बोतल में भराई कार्य मांग के अनुरूप लगातार किया जायेगा।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(6) बोतलों में मदिरा की भराई सिवाय आबकारी निरीक्षक तथा अनुज्ञापी के किसी प्रतिनिधि की एक साथ उपस्थिति के नहीं की जायेगी तथाबोतल भराई कार्य आई०पी०एड्रेस सहित सी०सी०टी०वी० कैमरे की निगरानी में किया जायेगा ।

(7) आसवक, यवासवक और द्राक्षासवक की बोतल में भराई के लिए अपेक्षित मदिरा मापी जायेगी तथा मदिरा संग्रहागार में स्थायी रूप से लगाये गये पाइप द्वारा जिसमें कार्क हो तथा जिस पर आबकारी का ताला लगा हो या आबकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित किसी अन्य प्रकार से बन्द हो बोतल भराई कक्ष में लायी जायेगी ।

(8) सेना के लिए रियायती दर पर जारी की जाने वाली रम की भराई ऐसे कक्ष “कक्षों” में जहाँ किसी अन्य प्रकार की मदिरा की बोतल में भराई की जाती हो से भिन्न कक्ष “कक्षों” में करने की अनुमति दी जायेगी। बोतल में भरी गयी रियायती दर की रम का संग्रह अन्य किसी मदिरा के साथ नहीं किया जायेगा ।

(9) बोतल में भराई के कर देय गोदाम का प्रभारी आबकारी निरीक्षक निम्नलिखित रजिस्टर रखेगा ।

- (1) प्रपत्र वि०म०-३ में रजिस्टर
- (2) प्रपत्र वि०म०-४ में रजिस्टर
- (3) प्रपत्र वि०म०-ख-५ में रजिस्टर
- (4) प्रपत्र वि०म०-ख-६ में खाता बही
- (5) प्रपत्र वि०म०-ख-७ में रजिस्टर
- (6) प्रपत्र वि०म०-ख-९ में डिप पुस्तिका

(7) ये प्रपत्र डिजिटली भी अनुरक्षित किये जायेंगे तथा विभागीय अभिहित पोर्टल पर प्रतिदिन अपलोड किये जायेंगे ।

(10) प्रत्येक कलेण्डर मास के अन्तिम कार्य दिवस को, उस दिन का सम्पूर्ण कार्य समाप्त किये जाने के पश्चात, प्रभारी आबकारी निरीक्षक बोतल में भराई के कर देय गोदाम, में संग्रहीत बोतलों में न भरी गई तथा बोतलों में भरी गई मदिरा की जांच करेगा, उसे नियत रजिस्टरों में दर्ज करेगा और भराई की प्रक्रिया तथा कर देय गोदाम में संग्रह करने में हुई मदिरा के छीजन को सुनिश्चित करेंगा ।

11 (क) बोतल में भराई तथा संग्रह करने में वास्तविक हानि के लिये एक मास की अवधि में संग्रहित स्प्रिट तथा बीयर की कुल मात्रा पर एक प्रतिशत तक की छूट दी जा सकती है। एक प्रतिशत से अधिक छीजन पर लाइसेंसधारी प्रतिफल शुल्क का देनदार होगा ।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(6) बोतलों में मदिरा की भराई सिवाय आबकारी निरीक्षक तथा लाइसेंसधारी के किसी प्रतिनिधि की एक साथ उपस्थिति के नहीं की जायेगी तथाबोतल भराई कार्य आई०पी०एड्रेस सहित सी०सी०टी०वी० कैमरे की निगरानी में किया जायेगा ।

(7) आसवक, यवासवक और द्राक्षासवक की बोतल में भराई के लिए अपेक्षित मदिरा मापी जायेगी तथा मदिरा संग्रहागार में स्थायी रूप से लगाये गये पाइप द्वारा जिसमें कार्क हो तथा जिस पर आबकारी का ताला लगा हो या आबकारी आयुक्त द्वारा अनुमोदित किसी अन्य प्रकार से बन्द हो बोतल भराई कक्ष में लायी जायेगी ।

(8) सेना के लिए रियायती दर पर जारी की जाने वाली रम की भराई ऐसे कक्ष “कक्षों” में जहाँ किसी अन्य प्रकार की मदिरा की बोतल में भराई की जाती हो से भिन्न कक्ष “कक्षों” में करने की अनुमति दी जायेगी। बोतल में भरी गयी रियायती दर की रम का संग्रह अन्य किसी मदिरा के साथ नहीं किया जायेगा ।

(9) बोतल में भराई के कर देय गोदाम का प्रभारी आबकारी निरीक्षक निम्नलिखित रजिस्टर रखेगा ।

- (एक) प्रपत्र वि०म०ख-३ में रजिस्टर
- (दो) प्रपत्र वि०म०ख-४ में रजिस्टर
- (तीन) प्रपत्र वि०म०-ख-५ में रजिस्टर
- (चार) प्रपत्र वि०म०-ख-६ में रजिस्टर
- (पाँच) प्रपत्र वि०म०-ख-७ में रजिस्टर
- (छ:) प्रपत्र वि०म०-ख-९ में डिप पुस्तिका

(सात) ये प्रपत्र डिजिटली भी अनुरक्षित किये जायेंगे तथा विभागीय अभिहित पोर्टल पर प्रतिदिन अपलोड किये जायेंगे ।

(10) प्रत्येक कलेण्डर मास के अन्तिम कार्य दिवस को, उस दिन का सम्पूर्ण कार्य समाप्त किये जाने के पश्चात, प्रभारी आबकारी निरीक्षक बोतल में भराई के कर देय गोदाम, में संग्रहीत बोतलों में न भरी गई तथा बोतलों में भरी गई मदिरा की जांच करेगा, उसे नियत रजिस्टरों में दर्ज करेगा और भराई की प्रक्रिया तथा कर देय गोदाम में संग्रह करने में हुई मदिरा के छीजन को सुनिश्चित करेंगा ।

11 (क) बोतल में भराई तथा संग्रह करने में वास्तविक हानि के लिये एक मास की अवधि में संग्रहित स्प्रिट तथा बीयर की कुल मात्रा पर एक प्रतिशत तक की छूट दी जा सकती है। एक प्रतिशत से अधिक छीजन पर लाइसेंसधारी प्रतिफल शुल्क का देनदार होगा ।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(ख) जब छीजन विहित सीमा से अधिक न हो, तो प्रभारी आबकारी निरीक्षक द्वारा कोई कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं है, किन्तु यदि स्टाक की मासिक जांच के समय छीजन अधिक पायी जाय तो आबकारी निरीक्षक अगले मास की पांचवीं तारीख तक कलेक्टर को प्रपत्र विंगमो बी०-१० में एक विवरण पत्र प्रेषित करेगा, जिसमें छीजन की वास्तविक मात्रा तथा लाइसेंसधारी द्वारा अतिरिक्त छीजन पर देय प्रतिफल शुल्क उल्लिखित होगा। विवरण पत्र प्राप्त होने पर कलेक्टर भारत निर्मित विदेशी स्प्रिट पर उद्ग्रहणीय प्रतिफल शुल्क की निम्न दर पर लाइसेंसधारी से प्रतिफल शुल्क वसूल करेगा।

भारत निर्मित विदेशी मदिरा (बोतल में भरी हुई)–भारत निर्मित विदेशी मदिरा की सम्बधित श्रेणी पर उद्ग्रहणीय प्रतिफल शुल्क की दर से।

(12) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के लिये कर देय गोदाम का प्रभारी आबकारी निरीक्षक जब तक कि अन्यथा निर्देश न दिया जाय, उस समय उप आबकारी आयुक्त के जिसके प्रादेशिक प्रभार में कर देय गोदाम स्थित हो, पर्यवेक्षण में कार्य करेगा और उसके साथ पत्र व्यवहार करेगा। कर देय गोदाम के कार्यकरण से सम्बन्धित सभी सामान्य मामलों में अनुज्ञापी को चाहिये कि वह प्रथमतः प्रभारी आबकारी निरीक्षक को आवेदन पत्र दे, जो यदि आवश्यक हो, उच्च आदेश प्राप्त करेगा।

(13) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के लिये कर देय गोदाम पर नियुक्त निरीक्षकों की उपस्थिति का शिफ्ट और समय सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा नियत किया जायेगा। कर देय गोदाम पर नियुक्त आबकारी निरीक्षक, लिपिकों और सिपाहियों की उपस्थिति का समय नियत करेगा। सामान्यतया प्रत्येक अधिकारी की प्रतिदिन आठ घण्टे से अधिक समय के लिये ढूँढ़ी न होगी। अनुज्ञापी बाटलिंग का कार्य चौबीस घन्टे कर सकता है, जिसमें तीन शिफ्ट प्रातः 06.00 बजे से 02.00 बजे अपराह्न तक, 02.00 बजे अपराह्न से रात्रि 10.00 बजे तक तथा रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक होगी।

(14) भारत निर्मित विदेशी मदिरा की बोतल भराई के लिये बंधित गोदामों पर तैनात आबकारी कर्मचारी वर्ग हेतु अनुज्ञात अवकाश दिवस निम्नलिखित हैं:-

रविवार, गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), गुडफाइडे, महात्मा गांधी का जन्म-दिवस (सरकारी), स्वतंत्रता दिवस, क्रिसमस दिवस, होली (होलिका दहन का अगला दिन), जन्माष्टमी, दशहरा (मुख्य दिवस), दीवाली (मुख्य दिवस), ईदुल फितर (मुख्य दिवस), ईदुज्जुहा, मुहर्रम (दसवां दिन) शब-ए-बरात, अन्य राजपत्रित अवकाश की अनुमति तभी होगी, यदि आसवक विशेष आधार पर आबकारी आयुक्त की स्वीकृति से स्वयं बन्द करते हैं।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(ख) जब छीजन विहित सीमा से अधिक न हो, तो प्रभारी आबकारी निरीक्षक द्वारा कोई कार्यवाही करने की आवश्यकता नहीं है, किन्तु यदि स्टाक की मासिक जांच के समय छीजन अधिक पायी जाय तो आबकारी निरीक्षक अगले मास की पांचवीं तारीख तक कलेक्टर को प्रपत्र विंगमो बी०-१० में एक विवरण पत्र प्रेषित करेगा, जिसमें छीजन की वास्तविक मात्रा तथा लाइसेंसधारी द्वारा अतिरिक्त छीजन पर देय प्रतिफल शुल्क उल्लिखित होगा। विवरण पत्र प्राप्त होने पर कलेक्टर भारत निर्मित विदेशी स्प्रिट पर उद्ग्रहणीय प्रतिफल शुल्क की पूर्ण दर पर लाइसेंसधारी से प्रतिफल शुल्क वसूल करेगा।

(12) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के लिये कर देय गोदाम का प्रभारी आबकारी निरीक्षक जब तक कि अन्यथा निर्देश न दिया जाय, उस समय उप आबकारी आयुक्त के जिसके प्रादेशिक प्रभार में कर देय गोदाम स्थित हो, पर्यवेक्षण में कार्य करेगा और उसके साथ पत्र व्यवहार करेगा। कर देय गोदाम के कार्यकरण से सम्बन्धित सभी सामान्य मामलों में लाइसेंसधारी को चाहिये कि वह प्रथमतः प्रभारी आबकारी निरीक्षक को आवेदन पत्र दे, जो यदि आवश्यक हो, उच्च आदेश प्राप्त करेगा।

(13) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के लिये कर देय गोदाम पर नियुक्त निरीक्षकों की उपस्थिति का शिफ्ट और समय सहायक आबकारी आयुक्त द्वारा नियत किया जायेगा। कर देय गोदाम पर नियुक्त आबकारी निरीक्षक, लिपिकों और चपरासियों की उपस्थिति का समय नियत करेगा। सामान्यतया प्रत्येक अधिकारी की प्रतिदिन आठ घण्टे से अधिक समय के लिये ढूँढ़ी न होगी। लाइसेंसधारी बाटलिंग का कार्य चौबीस घन्टे कर सकता है, जिसमें तीन शिफ्ट प्रातः 06.00 बजे से 02.00 बजे अपराह्न तक, 02.00 बजे अपराह्न से रात्रि 10.00 बजे तक तथा रात्रि 10.00 बजे से प्रातः 06.00 बजे तक होगी।

(14) भारत निर्मित विदेशी मदिरा की बोतल भराई के लिये बंधित गोदामों पर तैनात आबकारी कर्मचारी वर्ग हेतु अनुज्ञात अवकाश दिवस निम्नलिखित हैं:-

रविवार, गणतंत्र दिवस (26 जनवरी), गुडफाइडे, महात्मा गांधी का जन्म-दिवस (सरकारी), स्वतंत्रता दिवस, क्रिसमस दिवस, होली (होलिका दहन का अगला दिन), जन्माष्टमी, दशहरा (मुख्य दिवस), दीवाली (मुख्य दिवस), ईदुल फितर (मुख्य दिवस), ईदुज्जुहा, मुहर्रम (दसवां दिन) शब-ए-बरात, अन्य राजपत्रित अवकाश की अनुमति तभी होगी, यदि आसवक विशेष आधार पर आबकारी आयुक्त की स्वीकृति से स्वयं बन्द करते हैं।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(15) भारत निर्मित विदेशी मदिरा के बोतल में भरने का कर देय गोदाम केवल उन व्यक्तियों के प्रवेश तथा निर्गमन के लिये खुलेगा, जिनको उनके अन्दर काम हो। आबकारी विभाग के अधिकारियों तथा अन्य सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, अनुज्ञापीगण, उसके सेवकों तथा ऐसे लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं को, जो शराब खरीदने के लिये आये हों, के अलावा अन्य किसी को किसी भी बहाने भू-गृहादि में प्रवेश करने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी। एक रजिस्टर रखा जायेगा, जिसमें अनुज्ञापी द्वारा सेवायोजित समस्त व्यक्तियों के नाम होंगे।

(16) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के लिये कर देय गोदाम में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्ति अपने आचरण के सम्बन्ध में और गोदाम के अन्दर कार्यवाहियों के लिये प्रभारी आबकारी निरीक्षक के आदेश के अधीन होंगे और भूगृहादि को छोड़ने के समय उनकी तालाशी प्रभारी आबकारी निरीक्षक के विवेकानुसार ली जा सकेगी।

(17) यदि अनुज्ञापी की जानकारी में यह बात आये कि उनके द्वारा सेवायोजित किसी व्यक्ति ने आबकारी विधियों को या उसके द्वारा किये गये वचन-बंध का उल्लंघन किया है, तो यह उसका कर्तव्य होगा कि वह जिलाधिकारी को मामले की रिपोर्ट करे और ऐसे व्यक्ति को सेवा में बनाये रखने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी के निर्देशों का पालन करे।

(18) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के कर देय गोदाम के प्रभारी आबकारी निरीक्षक किसी ऐसे व्यक्ति को, जिसके सम्बन्ध में उसे यह विश्वास करने का कारण हो कि उसने इन नियमों या एक्साइज एक्ट के उपबन्धों का उल्लंघन किया है या करने वाला है, या तो नशे में है या अनुशासनहीन है, भू-गृहादि से निकाल सकता है और बाहर कर सकता है। वह इस नियम के अधीन किये गये समस्त कार्यों को लिखित रूप में उल्लेख अपनी सरकारी डायरी में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के सूचनार्थ तत्काल करेगा।

(19) अनुज्ञापी भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के कर देय गोदाम के प्रबन्ध और वहाँ से विदेशी मदिरा की निकासी के लिये समस्त सामान्य नियमों से, जो पहले से ही प्रवृत्त हो या जो एतदपश्चात् वर्तमान आबकारी विधियों या किसी अन्य विधि के अधीन जो एतदपश्चात् वर्तमान आबकारी विधियों या किसी अन्य विधि के अधीन जो एतदपश्चात् अधिनियमित की जाय, नियत किये जायं तथा किसी एक कर देय गोदाम के सम्बन्ध में आबकारी आयुक्त द्वारा जारी किये गये समस्त विशेष आदेशों से बाध्य होगा और उसके द्वारा मदिरा के निर्माण, निकासी आदि के कार्य के लिये सेवायोजित समस्त व्यक्तियों से ऐसे सभी नियमों का पालन करेगा।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(15) भारत निर्मित विदेशी मदिरा के बोतल में भरने का कर देय गोदाम केवल उन व्यक्तियों के प्रवेश तथा निर्गमन के लिये खुलेगा, जिनको उनके अन्दर काम हो। आबकारी विभाग के अधिकारियों तथा अन्य सरकारी विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों, अनुज्ञापीगण, उसके सेवकों तथा ऐसे लाइसेंस प्राप्त विक्रेताओं को, जो शराब खरीदने के लिये आये हों, के अलावा अन्य किसी को किसी भी बहाने भू-गृहादि में प्रवेश करने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी। एक रजिस्टर रखा जायेगा, जिसमें लाइसेंसधारी द्वारा सेवायोजित समस्त व्यक्तियों के नाम होंगे।

(16) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के लिये कर देय गोदाम में प्रवेश करने वाले समस्त व्यक्ति अपने आचरण के सम्बन्ध में और गोदाम के अन्दर कार्यवाहियों के लिये प्रभारी आबकारी निरीक्षक के आदेश के अधीन होंगे और भूगृहादि को छोड़ने के समय उनकी तालाशी प्रभारी आबकारी निरीक्षक के विवेकानुसार ली जा सकेगी।

(17) यदि लाइसेंसधारी की जानकारी में यह बात आये कि उनके द्वारा सेवायोजित किसी व्यक्ति ने आबकारी विधियों को या उसके द्वारा किये गये वचन-बंध का उल्लंघन किया है, तो यह उसका कर्तव्य होगा कि वह जिलाधिकारी को मामले की रिपोर्ट करे और ऐसे व्यक्ति को सेवा में बनाये रखने के सम्बन्ध में जिलाधिकारी के निर्देशों का पालन करे।

(18) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के कर देय गोदाम के प्रभारी आबकारी निरीक्षक किसी ऐसे व्यक्ति को, जिसके सम्बन्ध में उसे यह विश्वास करने का कारण हो कि उसने इन नियमों या एक्साइज एक्ट के उपबन्धों का उल्लंघन किया है या करने वाला है, या तो नशे में है या अनुशासनहीन है, भू-गृहादि से निकाल सकता है और बाहर कर सकता है। वह इस नियम के अधीन किये गये समस्त कार्यों को लिखित रूप में उल्लेख अपनी सरकारी डायरी में अपने वरिष्ठ अधिकारियों के सूचनार्थ तत्काल करेगा।

(19) लाइसेंसधारी भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के कर देय गोदाम के प्रबन्ध और वहाँ से विदेशी मदिरा की निकासी के लिये समस्त सामान्य नियमों से, जो पहले से ही प्रवृत्त हो या एतदपश्चात् वर्तमान आबकारी विधियों या किसी अन्य विधि के अधीन जो एतदपश्चात् अधिनियमित की जाय, नियत किये जायं तथा किसी एक कर देय गोदाम के सम्बन्ध में आबकारी आयुक्त द्वारा जारी किये गये समस्त विशेष आदेशों से बाध्य होगा और उसके द्वारा मदिरा के निर्माण, निकासी आदि के कार्य के लिये सेवायोजित समस्त व्यक्तियों से ऐसे सभी नियमों का पालन करेगा।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

(20) (i) कोई मंदिरा, सिवाय प्रपत्र वि०म०-११ में पास, जिस पर सिक्योरिटी कोड चस्पा किया जायेगा, जिसमें परेषण के विस्तृत विवरण सहित परिवहन किये जाने वाले विशिष्ट वाहन का भी विवरण अंकित होंगे के अन्तर्गत जो इस सम्बन्ध में अधिकृत अधिकारी द्वारा दिया गया हो, हटाई नहीं जायेगी। पास उपशुल्क की पूरी अदायगी के प्रमाण पर या अनुबन्ध के निष्पादन के प्रमाण पर जारी किया जायेगा। यह तीन प्रतियों में होगा, एक प्रति अनुज्ञापी को परिवहन या निर्यात को आवरित करने के लिये दी जायेगी, दूसरी प्रति परिवहन या निर्यात वाले जिले के मुख्य राजस्व प्राधिकारी को अग्रसारित की जायगी और तीसरी प्रति अभिलेख के लिये रख ली जायेगी। सभी अभिलेख डिजिटली भी अनुरक्षित करते हुए विभागीय अभिहित पोर्टल पर अपलोड किये जायेंगे।

(ii) कर देय मंदिरा जारी की जाने की दशा में अनुज्ञापी मंदिरा को, यथास्थिति, किसी स्थान विशेष या गन्तव्य स्थान पर देने के निमित्त प्रपत्र वि०म०-ख ख १ या वि०म० ख ख २ में प्रतिभूत सहित या प्रतिभू रहित, जो इष्टकर हो, एक सामान्य या विशेष बन्ध-पत्र निष्पादित करेगा।

(iii) विशेष बन्ध-पत्र के अन्तर्गत जारी की गयी मंदिरा की दशा में, अनुज्ञापी द्वारा इस बात का प्रमाण देने पर कि उसने मंदिरा गन्तव्य स्थान पर दे दी है, बन्ध-पत्र उन्मुक्त कर दिया जायगा, बशर्ते बन्ध-पत्र की किसी भी शर्त का अतिलंघन न किया गया हो। किसी सामान्य-बन्ध पत्र के अधीन जारी किये गये परेषण पर देय शुल्क को अनुज्ञापी द्वारा इस बात का प्रमाण प्रस्तुत करने पर कि मंदिरा गन्तव्य स्थान पर दे दी गयी है, बट्टे खाता डाला जायेगा, बशर्ते बन्ध-पत्र की किसी भी शर्त का अतिलंघन न किया गया हो।

(iv) यदि अनुज्ञापी बन्ध पत्र या पास में उल्लिखित समय के भीतर गन्तव्य स्थान पर मंदिरा दे दिये जाने का प्रमाण प्रस्तुत नहीं करता है अथवा यदि यह प्रतीत हो कि बन्ध-पत्र की किसी शर्त का अतिलंघन किया गया है, तो प्रभारी आबकारी निरीक्षक, निष्पादक या इसके प्रतिभूओं से बन्ध-पत्र के अधीन शास्ति वसूल करने के लिये आवश्यक कार्यवाही करेगा।

(v) प्रपत्र वि०म० ख-१२ में बन्ध पत्र का एक रजिस्टर रखा जायगा और कर देय प्रत्येक निर्गम जिस दिन यह दिया जाय, इस रजिस्टर में दर्ज किया जायगा। यह सूचना प्राप्त होने पर कि परेषण यथाविधि आ गया है, बन्ध-पत्र रजिस्टर के संगत स्तम्भ में इस आशय की प्रविष्टि की जायगी और बन्ध पत्र को, जहाँ तक उक्त परेषण का सम्बन्ध है, उन्मुक्त कर दिया जायगा।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

(20) (एक) कोई मंदिरा, सिवाय प्रपत्र वि०म०-११ में पास, जिस पर सिक्योरिटी कोड चस्पा किया जायेगा, जिसमें परेषण के विस्तृत विवरण सहित परिवहन किये जाने वाले विशिष्ट वाहन का भी विवरण अंकित होंगे के अन्तर्गत जो इस सम्बन्ध में अधिकृत अधिकारी द्वारा दिया गया हो, हटाई नहीं जायेगी। पास उपशुल्क की पूरी अदायगी के प्रमाण पर या अनुबन्ध के निष्पादन के प्रमाण पर जारी किया जायेगा। यह तीन प्रतियों में होगा, एक प्रति लाइसेंसधारी को परिवहन या निर्यात को आवरित करने के लिये दी जायेगी, दूसरी प्रति परिवहन या निर्यात वाले जिले के मुख्य राजस्व प्राधिकारी को अग्रसारित की जायगी और तीसरी प्रति अभिलेख के लिये रख ली जायेगी सभी अभिलेख डिजिटली भी अनुरक्षित करते हुए विभागीय अभिहित पोर्टल पर अपलोड किये जायेंगे।

(दो) कर देय मंदिरा जारी की जाने की दशा में लाइसेंसधारी मंदिरा को, यथास्थिति, किसी स्थान विशेष या गन्तव्य स्थान पर देने के निमित्त प्रपत्र वि०म०-ख ख १ या वि०म० ख ख २ में प्रतिभूत सहित या प्रतिभू रहित, जो इष्टकर हो, एक सामान्य या विशेष बन्ध-पत्र निष्पादित करेगा।

(तीन) विशेष बन्ध-पत्र के अन्तर्गत जारी की गयी मंदिरा की दशा में, लाइसेंसधारी द्वारा इस बात का प्रमाण देने पर कि उसने मंदिरा गन्तव्य स्थान पर दे दी है, बन्ध-पत्र उन्मुक्त कर दिया जायगा, बशर्ते बन्ध-पत्र की किसी भी शर्त का अतिलंघन न किया गया हो। किसी सामान्य-बन्ध पत्र के अधीन जारी किये गये परेषण पर देय शुल्क को लाइसेंसधारी द्वारा इस बात का प्रमाण प्रस्तुत करने पर कि मंदिरा गन्तव्य स्थान पर दे दी गयी है, बट्टे खाता डाला जायेगा, बशर्ते बन्ध-पत्र की किसी भी शर्त का अतिलंघन न किया गया हो।

(चार) यदि लाइसेंसधारी बन्ध पत्र या पास में उल्लिखित समय के भीतर गन्तव्य स्थान पर मंदिरा दे दिये जाने का प्रमाण प्रस्तुत नहीं करता है अथवा यदि यह प्रतीत हो कि बन्ध-पत्र की किसी शर्त का अतिलंघन किया गया है, तो प्रभारी आबकारी निरीक्षक, निष्पादक या इसके प्रतिभूओं से बन्ध-पत्र के अधीन शास्ति वसूल करने के लिये आवश्यक कार्यवाही करेगा।

(पाँच) प्रपत्र वि०म० ख-१२ में बन्ध पत्र का एक रजिस्टर रखा जायगा और कर देय प्रत्येक निर्गम जिस दिन यह दिया जाय, इस रजिस्टर में दर्ज किया जायगा। यह सूचना प्राप्त होने पर कि परेषण यथाविधि आ गया है, बन्ध-पत्र रजिस्टर के संगत स्तम्भ में इस आशय की प्रविष्टि की जायगी और बन्ध पत्र को, जहाँ तक उक्त परेषण का सम्बन्ध है, उन्मुक्त कर दिया जायगा।

**स्तम्भ-1**  
**विद्यमान नियम**

जैसे ही किसी परेषण से सम्बन्धित प्रविष्टियाँ पूरी हो जायं, बोतल भराई के गोदाम का प्रभारी आबकारी निरीक्षक, उन पर एक लाल रेखा खींचेगा, जिससे कि वह एक दृष्टि में मार्गस्थ मदिरा की मात्रा देख सके तथा निर्गमादि को बन्ध पत्र में उल्लिखित धनराशि तक सीमित कर सके।

(vi) मदिरा की सम्पूर्ण मात्रा का परिवहन एक कनसाइनमेन्ट में किया जायेगा और ट्रांजिट में ब्रेक नहीं किया जायेगा तथा कनसाइनमेन्ट का संचालन ई-ट्रांजिट पास में विनिर्दिष्ट मार्ग से विचलित नहीं किया जायेगा, जिसके व्यतिक्रम से सरकार द्वारा यथानिर्धारित शास्ति, डिस्टिलरी के लाइसेंसधारी पर अधिरोपित किया जायेगा।

(vii) यदि कोई डिस्टिलरी एक ही विधिमान्य पास पर एक से अधिक बार कनसाइनमेन्ट ट्रांजिट करने हेतु ई-ट्रांजिट का कपट एवं क्षदमपूर्ण हुई पायी जाती है तो डिस्टिलरी का प्रभारी अधिकारी और डिस्टिलरी दण्ड के भागी होंगे।

(21) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के कर देय गोदाम से निकासी अनुज्ञापी द्वारा निम्न प्रकार से की जा सकती हैं:-

(1) विदेशी मदिरा के निर्यात तथा परिवहन को नियंत्रित करने वाले नियमों में की गई व्यवस्था के अनुसार विदेशी मदिरा की अनुबन्ध के अन्तर्गत निकासी व्यक्तियों तथा स्थानों को की जा सकती है।

(2) उपशुल्क का भुगतान करने पर विदेशी मदिरा की निकासी-

(1) उस भू-गृहादि को, जिसके सम्बन्ध में अनुज्ञापी ने विदेशी मदिरा के विक्रय के लिये थोक बिक्री का अनुज्ञा पत्र ले रखा हो।

(2) निम्न दर पर उप शुल्क भुगतान करने पर निर्यात तथा परिवहन के नियमों में की गई व्यवस्था के अनुसार भारत में सैनिकों को की जा सकती है।

(3) उक्त नियमावली में विमो बन्ध-पत्र ख-1 के पश्चात निम्नलिखित नये विमो बन्ध-पत्र ख-1 और विमो बन्ध-पत्र ख-2 एवं पी०डी०बी० प्रवृत्त हैं।

(4) उक्त नियमावली में विमो ख-11 के बाद विमो ख-12 बढ़ा दिया गया है।

**स्तम्भ-2**  
**एतदद्वारा प्रतिस्थापित नियम**

जैसे ही किसी परेषण से सम्बन्धित प्रविष्टियाँ पूरी हो जायं, बोतल भराई के गोदाम का प्रभारी आबकारी निरीक्षक, उन पर एक लाल रेखा खींचेगा, जिससे कि वह एक दृष्टि में मार्गस्थ मदिरा की मात्रा देख सके तथा निर्गमादि को बन्ध पत्र में उल्लिखित धनराशि तक सीमित कर सके।

(छ:) एफ० एल०-३ या एफ०एल०-३क लाइसेंसधारी को एक जिला में स्थित एक से अधिक थोक लाइसेंसों के लिए एक ही यान से मदिरा का प्रेषण किये जाने की अनुमति होगी। परेषण संचालन ई-अभिवहन पास में विनिर्दिष्ट मार्ग से विचलित नहीं किया जायेगा, जिसका व्यतिक्रमण किये जाने पर आसवानी लाइसेंसधारी पर सरकार द्वारा यथानिर्धारित कठोर शास्ति, अधिरोपित किया जायेगा।

(सात) यदि कोई डिस्टिलरी एक ही विधिमान्य पास पर एक से अधिक बार कनसाइनमेन्ट ट्रांजिट करने हेतु ई-ट्रांजिट का कपट एवं क्षदमपूर्ण हुई पायी जाती है तो डिस्टिलरी का प्रभारी अधिकारी और डिस्टिलरी दण्ड के भागी होंगे।

(21) भारत निर्मित विदेशी मदिरा को बोतल में भरने के कर देय गोदाम से निकासी लाइसेंसधारी द्वारा निम्न प्रकार से की जा सकती है:-

(1) विदेशी मदिरा के निर्यात तथा परिवहन को नियंत्रित करने वाले नियमों में की गई व्यवस्था के अनुसार विदेशी मदिरा की अनुबन्ध के अन्तर्गत निकासी व्यक्तियों तथा स्थानों को की जा सकती है।

(2) विदेशी मदिरा, प्रतिफल शुल्क, विशेष प्रतिफल शुल्क, तथा विशेष अतिरिक्त प्रतिफल शुल्क का भुगतान किये जाने पर निम्नलिखित के लिये जारी की जा सकती है:-

(एक) उस भू-गृहादि को, जिसके सम्बन्ध में लाइसेंसधारी ने विदेशी मदिरा के विक्रय के लिये थोक बिक्री का अनुज्ञा पत्र ले रखा हो।

(दो) विहित दर पर प्रतिफल शुल्क का भुगतान किये जाने पर निर्यात तथा परिवहन के नियमों में उपबंधित रूप में भारत में सैनिक टुकड़ियों को।

(3) उक्त नियमावली में विमो बन्ध-पत्र ख-1, के स्थान पर निम्नलिखित प्रपत्र विमो बंध पत्र 2 और पी०डी०बी० रख दिये गये हैं:

(4) उक्त नियमावली में विमो ख-11 के पश्चात निम्नलिखित प्रपत्र विमो ख-12 बढ़ा दिया गया है।

आज्ञा से  
सेंथिल पांडियन सी०,  
आबकारी आयुक्त,  
उत्तर प्रदेश।

## OFFICE OF THE EXCISE COMMISSIONER, UTTAR PRADESH, PRAYAGRAJ

No. 20937/X-License-57/Bottling Rules/2019

Prayagraj, dated: January 31, 2022

## NOTIFICATION

In exercise of the powers under Section-41 of the United Provinces Excise Act, 1910 (UP Act no. IV of 1910) read with section 21 of the Uttar Pradesh General Clauses Act, 1904 (UP Act no.1 of 1904), the Excise Commissioner with the previous sanction of the State Government hereby makes the following rules with a view to amending the Uttar Pradesh Bottling of Foreign Liquor Rules, 1969 as amended from time to time.

**THE UTTAR PRADESH BOTTLING OF FOREIGN LIQUOR  
(TWENTY FIFTH AMENDMENT) RULES, 2021**

**1. Short title and commencement**—(1) These rules may be called the Uttar Pradesh Bottling of Foreign Liquor (Twenty Fifth Amendment) Rules, 2019.

(2) They shall come into force with effect from 01-04-2021.

**2. Amendment of Rule 4**—In the said rules, for existing rule-4 set out in column-1 below, the rule as set out in column-2 shall be substituted, namely:-

**Column I***Existing rule*

4. Application for the renewal of bottling licence shall be made in Form F.L.B-1 to the Excise Commissioner, Uttar Pradesh on or before February 28 of the year of expiry of the licence. Unless the fee or any part thereof is in arrear or there be any other sufficient reason a bottling licence in Form F.L.-3 or F.L.3-A may be renewed by the Excise Commissioner for two years, but the licence shall be valid only till the period of validity of concerning PD-2 licence.

Renewal fee shall be payable for the renewal of F.L.-3 or F.L.-3A licences as below.

Sl. No.	Presumptive annual bottling fee (In Rs.)	Determined annual renewal fee of F.L. 3 Licences (In Rs.)
1	2	3
1	upto 10000000	Rs. 2 lacs
2	from 10000000 up to 20000000	Rs. 4 lacs
3	from 20000000 upto 30000000	Rs. 6 lacs
4	from 30000000 upto 40000000	Rs. 8 lacs
5	Exceeding 40000000	Rs. 10 lacs

**Column II***Rule as hereby substituted*

4. Application for the renewal of bottling licence shall be made in Form F.L.B-1 to the Excise Commissioner, Uttar Pradesh on or before February 28 of the year of expiry of the licence. Unless the fee or any part thereof is in arrear or there be any other sufficient reason a bottling licence in Form F.L.-3 or F.L.3A may be renewed by the Excise Commissioner for up to three years, but the licence shall be valid only till the period of validity of concerning PD-2 licence.

Renewal fee shall be payable for the renewal of F.L.-3 or F.L.-3A licences as below.

Sl. No.	Presumptive annual bottling fee (In Rs.)	Determined annual renewal fee of F.L. 3 Licences (In Rs.)
1	2	3
1	upto 10000000	Rs. 2 lacs
2	from 10000000 up to 20000000	Rs. 4 lacs
3	from 20000000 upto 30000000	Rs. 6 lacs
4	from 30000000 upto 40000000	Rs. 8 lacs
5	Exceeding 40000000	Rs. 10 lacs

**Column I***Existing rule*

Provided that a franchisee fee equivalent to half of the renewal fee shall also be payable for renewal of FL-3A licence. The presumptive annual bottling fee will be calculated on the basis of receipt of bottling fee upto the end of the month of January. This amount of renewal fee and franchisee fee shall not be adjusted against bottling fee. If at the end of year, the slab of renewal fee is enhanced due to actual receipt of bottling fee, renewal fee shall be payable for the concerning year according to enhanced slab and the difference amount shall have to be deposited in Government Treasury prior to the last date of month of April in the concerning financial year.

In addition to the aforesaid, bottling fee and special fee shall be recovered separately in advance according to the provisions of relevant rules

**Column II***Rule as hereby substituted*

Provided that a franchisee fee equivalent to half of the renewal fee shall also be payable for renewal of FL-3A licence. The presumptive annual bottling fee will be calculated on the basis of receipt of bottling fee upto the end of the month of January. This amount of renewal fee and franchisee fee shall not be adjusted against bottling fee. If at the end of year, the slab of renewal fee is enhanced due to actual receipt of bottling fee, renewal fee shall be payable for the concerning year according to enhanced slab and the difference amount shall have to be deposited in Government Treasury prior to the last date of month of April in the concerning financial year.

In addition to the aforesaid, bottling fee and special fee shall be recovered separately in advance according to the provisions of relevant rules

**3. Amendment of rule 6**—In the Uttar Pradesh Bottling of Foreign Liquor Rules, 1969, hereinafter referred to as the said rules, for rule-6 set out in column-1 below, the rule as set out in column-2, shall be substituted, namely:—

**Column I***Existing rule*

6. Every licence granted in form FL-3 or FL-3A shall be subject to the following conditions:

(1) The licensee shall carry the operations of bottling in the premises previously approved by the Collector in the case of bottling outside the distillery, brewery or vintnery and by the Excise Commissioner in the case of bottling within the distillery, brewery or vintnery and duly endorsed on the licence and the premises shall not be used for any other purpose except for bottling and storage of foreign liquor.

(2) The licensee shall make no alterations in the said premises without the previous approval in writing of the Collector or the Excise Commissioner, as the case may be, and all such alterations shall be shown in the plan filed by him.

**Column II***Rule as hereby substituted*

6. Every licence granted in form FL-3 or FL-3A shall be subject to the following conditions:

(1) The licensee shall carry the operations of bottling in the premises previously approved by the Collector in the case of bottling outside the distillery, brewery or vintnery and by the Excise Commissioner in the case of bottling within the distillery, brewery or vintnery and duly endorsed on the licence and the premises shall not be used for any other purpose except for bottling and storage of foreign liquor.

(2) The licensee shall make no alterations in the said premises without the previous approval in writing of the Collector or the Excise Commissioner, as the case may be, and all such alterations shall be shown in the plan filed by him.

**Column I***Existing rule*

(3) (i) Bottling shall be conducted in separate room(s) set apart for the purpose. The licensee shall erect bottling vats in bottling room(s) for storage of liquor. He may setup in the bottling room(s) such apparatus for filtration, bottling and processes connected therewith as may be necessary.

(ii) Installation, use and maintenance of electronic devices for measurement of spirit both by volume and strength at a Foreign Liquor bottling plant –

(a) There shall be at least two Mass Flow Meters at a Foreign Liquor bottling plant, one for receipt of spirit or blended Foreign Liquor and the other to ensure bottling of potable Foreign Liquor at desired strength and measure.

(b) There shall be Radar based Level Transmitters to be mounted on all the storage vats, reduction and blending vats and bottling vats to record the level of spirit stored in these tanks.

(c) There shall be two electronic bottle counters at a Foreign Liquor bottling line. The first one shall be installed on the bottling line just after the automatic filling unit and the second one shall also be on the same line just after the affixation of Security Code. Concerned distillers/bottlers shall install and maintain these bottle counters at Foreign Liquor bottling plant at their own cost.

(d) The details of technical specifications and guidelines related to installation and use of Mass Flow Meters, Radar Based Level Transmitters, sensor based electronic bottle counters & other appliances / accessories, and the specified parameters required to be measured, recorded and archived through these devices shall be prescribed in the Standard Operating Procedure (SOP) notified by the Excise Commissioner from time to time. The licensee of a Foreign Liquor bottling plant shall be responsible for regular maintenance of these

**Column II***Rule as hereby substituted*

(3) (i) Bottling shall be conducted in separate room(s) set apart for the purpose. The licensee shall erect bottling vats in bottling room(s) for storage of liquor. He may setup in the bottling room(s) such apparatus for filtration, bottling and processes connected therewith as may be necessary.

(ii) Installation, use and maintenance of electronic devices for measurement of spirit both by volume and strength at a Foreign Liquor bottling plant –

(a) There shall be at least two Mass Flow Meters at a Foreign Liquor bottling plant, one for receipt of spirit or blended Foreign Liquor and the other to ensure bottling of potable Foreign Liquor at desired strength and measure.

(b) There shall be Radar based Level Transmitters to be mounted on all the storage vats, reduction and blending vats and bottling vats to record the level of spirit stored in these tanks.

(c) There shall be two electronic bottle counters at a Foreign Liquor bottling line. The first one shall be installed on the bottling line just after the automatic filling unit and the second one shall also be on the same line just after the affixation of Security Code. Concerned distillers/bottlers shall install and maintain these bottle counters at Foreign Liquor bottling plant at their own cost.

(d) The details of technical specifications and guidelines related to installation and use of Mass Flow Meters, Radar Based Level Transmitters, sensor based electronic bottle counters & other appliances/ accessories, and the specified parameters required to be measured, recorded and archived through these devices shall be prescribed in the Standard Operating Procedure (SOP) notified by the Excise Commissioner from time to time. The licensee of a Foreign Liquor bottling plant shall be responsible for regular maintenance of these

**Column I***Existing rule*

electronic devices and other allied accessories. The accounts of the Foreign Liquor bottling plant showing the quantity and strength of spirits received in, issued from and remaining in the plant shall be available from these instruments on continuous basis to the officer-in-charge and the officers of the Excise Department. Any malfunctioning of these instruments detected by the Officer-in-Charge of the bottling plant or any inspecting officer, shall be corrected forthwith and the Deputy Excise Commissioner shall also be intimated about this. The operation of the plant shall remain suspended till the restoration of these instruments to its designated standard.

(e) The Officer-in-Charge of the bottling plant shall ensure calibration of all the Mass Flow Meters used in the foreign liquor bottling plant once in a financial year by any accredited institution authorized by the Excise Commissioner and preserve the certificate of such calibration for at least three years.

(f) Procedure to be observed on arrival of spirit at the bottling plant- Immediately on arrival of a consignment at the bottling plant the Officer-in-Charge shall make necessary arrangement to receive the said foreign liquor through the Mass Flow Meter. The Officer-in-Charge shall record the volume and strength of foreign liquor, imported or transported, from the data shown by the Mass Flow Meter. The process of fetching data from Mass Flow Meter shall be guided by the SOP as mentioned. He shall also endorse the volume and strength on the Pass, covering the consignment. One copy of the Pass with the entries of receipt in the form of Excise verification certificate (EVC) shall be immediately returned to the officer, who issued the consignment and the other copy with the entries thereon shall be kept in the plant.

(iii) Storage of spirit in bottling plant- Extra Nutral Alcohol or reduced liquor in a bottling plant shall be stored in vats or in any other receptacles approved by the Excise Commissioner. All the storage vats and reduction vats shall be mounted with Radar based Level Transmitter to record the level of spirit in tanks as well and there shall be PLC (Programmable Logic Controller) attached to the level transmitter to display the volume of spirit in Bulk liter in accordance with the updated 'level-volume' table certified by the authorized authority in this regard.

**Column II***Rule as hereby substituted*

electronic devices and other allied accessories. The accounts of the Foreign Liquor bottling plant showing the quantity and strength of spirits received in, issued from and remaining in the plant shall be available from these instruments on continuous basis to the officer-in-charge and the officers of the Excise Department. Any malfunctioning of these instruments detected by the Officer-in-Charge of the bottling plant or any inspecting officer, shall be corrected forthwith and the Deputy Excise Commissioner shall also be intimated about this. The operation of the plant shall remain suspended till the restoration of these instruments to its designated standard.

(e) The Officer-in-Charge of the bottling plant shall ensure calibration of all the Mass Flow Meters used in the foreign liquor bottling plant once in a financial year by any accredited institution authorized by the Excise Commissioner and preserve the certificate of such calibration for at least three years.

(f) Procedure to be observed on arrival of spirit at the bottling plant- Immediately on arrival of a consignment at the bottling plant the Officer-in-Charge shall make necessary arrangement to receive the said foreign liquor through the Mass Flow Meter. The Officer-in-Charge shall record the volume and strength of foreign liquor, imported or transported, from the data shown by the Mass Flow Meter. The process of fetching data from Mass Flow Meter shall be guided by the SOP as mentioned. He shall also endorse the volume and strength on the Pass, covering the consignment. One copy of the Pass with the entries of receipt in the form of Excise verification certificate (EVC) shall be immediately returned to the officer, who issued the consignment and the other copy with the entries thereon shall be kept in the plant.

(iii) Storage of spirit in bottling plant- Extra Nutral Alcohol or reduced liquor in a bottling plant shall be stored in vats or in any other receptacles approved by the Excise Commissioner. All the storage vats and reduction vats shall be mounted with Radar based Level Transmitter to record the level of spirit in tanks as well and there shall be PLC (Programmable Logic Controller) attached to the level transmitter to display the volume of spirit in Bulk liter in accordance with the updated 'level-volume' table certified by the authorized authority in this regard.

**Column I***Existing rule*

Bottled liquor shall be stored in separate room(s). Every room shall bear on the outside a board on which shall be painted legibly the purpose for which the room is used.

(4) Indian Made Foreign Liquor intended for supply to defence personnel and civilians can be bottled in same bottling hall. In special circumstances such bottling hall can also be used with prior permission of Excise Commissioner for bottling country liquor for supply in Uttar Pradesh.

Provided that in any case at the time of, bottling operation of country liquor, the bottling operation of Indian made foreign liquor shall not be carried out and the Indian made foreign liquor for the defence personnel and the civilians shall not be bottled together.

(5) Bottling of Indian made foreign rum for issue to defence personnel at concessional rate of duty shall be allowed only in a distillery in bond.

(6) When the licensee wishes to carry on bottling, he shall give to the Assistant Excise Commissioner forty-eight hours prior notice clearly mentioning the days and hours during which bottling is proposed to be done provided that bottling may be done on a Sunday or a public holiday and forty-eight hours notice will not be necessary when bottling is done in a distillery or brewery or vintnery. Ordinarily each official will be on duty for a total period not exceeding eight hours in a day for twenty-four hours the shift time will be from 6.00 AM to 02.00 PM, 02.00 PM to 10.00 PM, 10.00 PM to 6.00 AM

(7) blending or reducing is prohibited except under and in accordance with the special permission of Excise Commissioner;

**Note:-**The terms blending and reducing shall carry the meaning as given in para 45 of the Excise Manual Vol-I (1962 edition).

**Column II***Rule as hereby substituted*

Bottled liquor shall be stored in separate room(s). Every room shall bear on the outside a board on which shall be painted legibly the purpose for which the room is used.

(4) Indian Made Foreign Liquor intended for supply to defence personnel and civilians can be bottled in same bottling hall. In special circumstances such bottling hall can also be used with prior permission of Excise Commissioner for bottling country liquor for supply in Uttar Pradesh.

Provided that in any case at the time of, bottling operation of country liquor, the bottling operation of Indian made foreign liquor shall not be carried out and the Indian made foreign liquor for the defence personnel and the civilians shall not be bottled together.

(5) Bottling of Indian made foreign rum for issue to defence personnel at concessional rate of duty shall be allowed only in a distillery in bond.

(6) When the licensee wishes to carry on bottling, he shall give to the Assistant Excise Commissioner forty-eight hours prior notice clearly mentioning the days and hours during which bottling is proposed to be done provided that bottling may be done on a Sunday or a public holiday and forty-eight hours notice will not be necessary when bottling is done in a distillery or brewery or vintnery. Ordinarily each official will be on duty for a total period not exceeding eight hours in a day for twenty-four hours the shift time will be from 6.00 AM to 02.00 PM, 02.00 PM to 10.00 PM, 10.00 PM to 6.00 AM

(7) blending or reducing is prohibited except under and in accordance with the special permission of Excise Commissioner;

**Note:-**The terms blending and reducing shall carry the meaning as given in para 45 of the Excise Manual Vol-I (1962 edition).

**Column I***Existing rule*

(8) Addition of any flavouring or colouring material or any other substance in foreign liquor is prohibited except under and in accordance with the special sanction of the Excise Commissioner.

(9) If bottled spirit is meant for sale within Uttar Pradesh, the licensee shall not bottle any foreign liquor of a strength less than 42% of alcohol volume/volume in the case of brandy, whisky or rum or of a strength less than 36% alcohol volume/volume in the case of gin. The spirit bottled for sale outside Uttar Pradesh may be issued at such strength as may be required by the regulations of the State, Union territory or country concerned,

(10) (a) The licensee shall not use any bottle of capacity of less than 60ml for bottling of spirit and wine and 300 ml for bottling of beer except in the case of Foreign Liquor bottled to serve as sample.

(b) Bottles of capacities as approved by the Excise Commissioner shall be used for bottling of foreign spirit for sale in Uttar Pradesh.

(11) The licensee shall bottle spirit, wine and beer in bottles/cans or any other container of such capacities as are approved by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh.

(12) The figures and letters of quantity of spirit/wine/beer and low alcoholic beverages in millilitres, as the case may be, shall be moulded/embossed/etched or sandblasted on the bottles/cans or other container.

(13) The glass/PET bottle will be embossed with the words "Uttar Pradesh Excise" on the chest of the bottle as per time schedule notified by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh.

(14) The licensee shall not use for bottling foreign liquor any bottles bearing the name and trademark of any other bottler or distiller or brewer or vintner. The Excise Commissioner may however, give permission to the holder of licence in Form F.L.-3A. to use bottles bearing the name and trademark of any other bottler, distiller, brewer or vintner.

**Column II***Rule as hereby substituted*

(8) Addition of any flavouring or colouring material or any other substance in foreign liquor is prohibited except under and in accordance with the special sanction of the Excise Commissioner.

(9) If bottled spirit is meant for sale within Uttar Pradesh, the licensee shall not bottle any foreign liquor of a strength less than 42% of alcohol volume/volume in the case of whisky or of a strength less than 42% alcohol volume/volume and more than 36% alcohol volume/volume in the case of Gin, Vodka, Rum and Brandy. The spirit bottled for sale outside Uttar Pradesh may be issued at such strength as may be required by the regulations of the State, Union territory or country concerned,

(10) (a) The licensee shall not use any bottle of capacity of less than 60ml for bottling of spirit and wine and 300 ml for bottling of beer except in the case of Foreign Liquor bottled to serve as sample.

(b) Bottles of capacities as approved by the Excise Commissioner shall be used for bottling of foreign spirit for sale in Uttar Pradesh.

(11) The licensee shall bottle spirit, wine and beer in bottles/cans or any other container of such capacities as are approved by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh.

(12) The figures and letters of quantity of spirit/wine/beer and low alcoholic beverages in millilitres, as the case may be, shall be moulded/embossed/etched or sandblasted on the bottles/cans or other container.

(13) The glass/PET bottle will be embossed with the words "Uttar Pradesh Excise" on the chest of the bottle as per time schedule notified by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh.

(14) The licensee shall not use for bottling foreign liquor any bottles bearing the name and trademark of any other bottler or distiller or brewer or vintner. The Excise Commissioner may however, give permission to the holder of licence in Form F.L.-3A. to use bottles bearing the name and trademark of any other bottler, distiller, brewer or vintner.

**Column I***Existing rule*

(15) Bottles used for bottling of concessional rum shall also have sandblasted or embossed on them the words "for troops only" along with the letters "C.S.D." when the rum is meant for export outside Uttar Pradesh and the letter Ä.P.O." when meant for issue to the Army Purchase Organisation.

(16)(a) Indian Made Foreign Liquor which is intended for export to another State or Union territory or other country shall be bottled in bottles having such marks and indications as may be required by the regulations of that State, Union Territory or country.

(b) The liquor bottled for export may be issued in bottles of such sizes as may be required by the regulations of the State, Union Territory or country concerned.

(17) Bottles to be used for the purpose of bottling foreign liquor shall be properly cleaned and washed first with a solution of potassium permanganate and then with pure water.

(18) Immediately after the bottles have been filled up, they shall be corked, capsuled and labelled and removed to the room for storage of bottled liquor. A distinctive serial number to be known as the batch number shall be assigned to each bottling operation and the number shall be noted on the label. A digital record will be maintained also and be submitted online on designated portal of Excise Department daily.

(19)(i) In case of foreign liquor manufactured in India labels affixed to the bottles shall have the following conspicuous print on them:

- (a) the description of liquor contained in the bottles e.g. whisky, brandy, rum, gin, etc.;
- (b) the guaranteed fluid contents of the bottle;
- (c) strength of liquor contained in the bottle in the case of whisky, brandy, rum or gin;
- (d) the words "Made in India" ;
- (e) name and address of the licensee;

**Column II***Rule as hereby substituted*

(15) Bottles used for bottling of concessional rum shall also have sandblasted or embossed on them the words "for troops only" along with the letters "C.S.D." when the rum is meant for export outside Uttar Pradesh and the letter Ä.P.O." when meant for issue to the Army Purchase Organisation.

(16)(a) Indian Made Foreign Liquor which is intended for export to another State or Union territory or other country shall be bottled in bottles having such marks and indications as may be required by the regulations of that State, Union Territory or country.

(b) The liquor bottled for export may be issued in bottles of such sizes as may be required by the regulations of the State, Union Territory or country concerned.

(17) Bottles to be used for the purpose of bottling foreign liquor shall be properly cleaned and washed first with a solution of potassium permanganate and then with pure water.

(18) Immediately after the bottles have been filled up, they shall be corked, capsuled and labelled and removed to the room for storage of bottled liquor. A distinctive serial number to be known as the batch number shall be assigned to each bottling operation and the number shall be noted on the label. A digital record will be maintained also and be submitted online on designated portal of Excise Department daily.

(19)(i) In case of foreign liquor manufactured in India labels affixed to the bottles shall have the following conspicuous print on them:

- (a) the description of liquor contained in the bottles e.g. whisky, brandy, rum, gin, etc.;
- (b) the guaranteed fluid contents of the bottle;
- (c) strength of liquor contained in the bottle in the case of whisky, brandy, rum or gin;
- (d) the words "Made in India" ;
- (e) name and address of the licensee ;

## Column I

*Existing rule*

(f) "For sale in Uttar Pradesh only" diagonally on the labels in contrast colour in the size mentioned below :

(A)	Bottles of the size of 750ml. and above	Letters of 8 m.m. size
(B)	Bottles of the size of 375ml. and above but smaller than 750ml	Letters of 4 m.m. size
(C)	Bottles of the size of 180ml. and above but smaller than 375ml	Letters of 2 m.m. size
(D)	Bottles smaller than 180ml.	Letters of 1 m.m. size

(ii) In the case of imported liquor, the labels affixed to the bottles shall have the following conspicuous print on them;

(a) the description of liquor contained in the bottles e.g. whisky, brandy, rum, gin, etc.;

(b) the guaranteed fluid contents of the bottle;

(c) strength of liquor contained in the bottle in the case of whisky, brandy, rum or gin;

(d) the words "Made in" with the name of country of origin;

(e) the words "Bottled in India"

(f) name and address of the licensee ;

(g) "For sale in Uttar Pradesh only" diagonally on the labels in contrast colour in the size mentioned below :

(A)	Bottles of the size of 750ml. and above	Letters of 8 m.m. size
(B)	Bottles of the size of 375ml. and above but smaller than 750ml	Letters of 4 m.m. size
(C)	Bottles of the size of 180ml. and above but smaller than 375ml	Letters of 2 m.m. size
(D)	Bottles smaller than 180ml.	Letters of 1 m.m. size

## Column II

*Rule as hereby substituted*

(f) "For sale in Uttar Pradesh only" diagonally on the labels in contrast colour in the size mentioned below :

(A)	Bottles of the size of 750ml. and above	Letters of 8 m.m. size
(B)	Bottles of the size of 375ml. and above but smaller than 750ml	Letters of 4 m.m. size
(C)	Bottles of the size of 180ml. and above but smaller than 375ml	Letters of 2 m.m. size
(D)	Bottles smaller than 180ml.	Letters of 1 m.m. size

(ii) In the case of imported liquor, the labels affixed to the bottles shall have the following conspicuous print on them;

(a) the description of liquor contained in the bottles e.g. whisky, brandy, rum, gin, etc.;

(b) the guaranteed fluid contents of the bottle;

(c) strength of liquor contained in the bottle in the case of whisky, brandy, rum or gin;

(d) the words "Made in" with the name of country of origin;

(e) the words "Bottled in India"

(f) name and address of the licensee ;

(g) "For sale in Uttar Pradesh only" diagonally on the labels in contrast colour in the size mentioned below :

(A)	Bottles of the size of 750ml. and above	Letters of 8 m.m. size
(B)	Bottles of the size of 375ml. and above but smaller than 750ml	Letters of 4 m.m. size
(C)	Bottles of the size of 180ml. and above but smaller than 375ml	Letters of 2 m.m. size
(D)	Bottles smaller than 180ml.	Letters of 1 m.m. size

## Column I

*Existing rule*

(iii) Labels on the bottles of foreign liquor for use of defence personnel shall also have the following legends printed on them; on the top of the labels, a legend in red ink as follows:

"For sale to defence personnel only"

Diagonally across the label a legend in red ink as follows:

"possession by person other than defence personnel is strictly prohibited".

(iv) The labels to be used on liquor bottled for export to another State or Union Territory or Country shall be of such design and bear such words as may be required by the regulations of the State, Union Territory or the Country concerned. The labels shall also be overprinted with the words "For Sale outside the State of U.P." for export to other States within the Country and the labels shall be overprinted with the words "For overseas export only" for export out of the Country. The type to be used for such overprinting shall not be smaller than the size mentioned below-

(A)	Bottles of the size of 750ml. and above	Letters of 8 m.m. size
(B)	Bottles of the size of 375ml. and above but smaller than 750ml	Letters of 4 m.m. size
(C)	Bottles of the size of 180ml. and above but smaller than 375ml	Letters of 2 m.m. size
(D)	Bottles smaller than 180ml.	Letters of 1 m.m. size

(v) Labels on the bottles shall be so affixed as to be easily distinguishable. No label shall be pasted over the words, letters and figures moulded or sand blasted thereon.

## Column II

*Rule as hereby substituted*

(iii) Labels on the bottles of foreign liquor for use of defence personnel shall also have the following legends printed on them; on the top of the labels, a legend in red ink as follows:

"For sale to defence personnel only"

Diagonally across the label a legend in red ink as follows:

"possession by person other than defence personnel is strictly prohibited".

(iv) The labels to be used on liquor bottled for export to another State or Union Territory or Country shall be of such design and bear such words as may be required by the regulations of the State, Union Territory or the Country concerned. The labels shall also be overprinted with the words "For Sale outside the State of U.P." for export to other States within the Country and the labels shall be overprinted with the words "For overseas export only" for export out of the Country. The type to be used for such overprinting shall not be smaller than the size mentioned below-

(A)	Bottles of the size of 750ml. and above	Letters of 8 m.m. size
(B)	Bottles of the size of 375ml. and above but smaller than 750ml	Letters of 4 m.m. size
(C)	Bottles of the size of 180ml. and above but smaller than 375ml	Letters of 2 m.m. size
(D)	Bottles smaller than 180ml.	Letters of 1 m.m. size

(v) Labels on the bottles shall be so affixed as to be easily distinguishable. No label shall be pasted over the words, letters and figures moulded or sand blasted thereon.

Column I	Column II
<i>Existing rule</i>	<i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(vi)(a) Before bringing any label into use, the licensee shall submit exact copies thereof in quadruplicate every year with Treasury Challan of every label capacity wise label approval fee as prescribed by the Excise Commissioner from time to time, to the Assistant Excise Commissioner posted in the distillery, brewery or vintnery, who will forward them to the Excise Commissioner, or any officer authorized by the Excise Commissioner if approves the label shall number it and affix his official seal. One copy shall be retained in the Excise Commissioner's office for record, the remaining three copies shall be returned to the Assistant Excise Commissioner In-charge of the distillery, brewery or vintnery who shall give one copy each to the unit concerned and Excise Inspector In-charge of the unit for record and retain the third copy for his record. The licensee shall comply with such instructions as the Excise Commissioner may issue regarding any label.</p> <p>(b) The labels may be renewed for the next year in accordance with the procedures subject to conditions as prescribed by the State Government.</p>	<p>(vi)(a) Before bringing any label into use, the licensee shall, <b>except in case where the label is being applied for renewal</b>, submit exact copies thereof in quadruplicate with Treasury Challan of every label capacity wise label approval fee as prescribed by the Excise Commissioner from time to time, to the Assistant Excise Commissioner posted in the distillery, brewery or vintnery, who will forward them to the Excise Commissioner or any officer authorized by him. If The Excise Commissioner, or the officer authorised by him , approves the label he shall number it and affix his official seal. One copy shall be retained in the Excise Commissioner's office for record, the remaining three copies shall be returned to the Assistant Excise Commissioner In-charge of the distillery, brewery or vintnery who shall give one copy each to the unit concerned and Excise Inspector In-charge of the unit for record and retain the third copy for his record. The licensee shall comply with such instructions as the Excise Commissioner may issue regarding any label.</p> <p>(b) The labels may be renewed for upto 3 years in accordance with the procedures subject to conditions as prescribed by the State Government.</p> <p>Provided that no application for approval of a label shall be entertained which is submitted without copy of a valid Trade Mark Registration Certificate or WIPO or other equivalent Registration Certificate for the brand of liquor concerned or without copy of a receipt of application filed before competent authority in this behalf.</p> <p>Provided further that no label of a brand of liquor shall be approved which is not registererd with GS-1 or has been applied for registration with GS-1.</p> <p>(vii) On all the six faces of the cartons of foreign liquor manufactured or bottled in the state "For sale in UP" shall be printed in the minimum size of one inch black letters on a red strip of one and a half inch broad and shall be applied security code as approved by the Excise Department on packed cartons (cases), specific number of bottles of different volume, strength, brands and packaging type.</p> <p>(vii) On all the six faces of the cartons of foreign liquor manufactured or bottled in the state "For sale in UP" shall be printed in the minimum size of one inch black letters on a red strip of one and a half inch broad and shall be applied security code as approved by the Excise Department on packed cartons (cases), specific number of bottles of different volume, strength, brands and packaging type.</p>

## Column I

*Existing rule*

(20)(i) Unless otherwise allowed by the Excise Commissioner all bottles shall be securely sealed with pilfer proof capsules or crown corks with alucapsules in such a way as to make it impossible to remove the seal without its being cut and/or broken. The capsules to be used on various kinds of liquor shall be of standard sizes and shall bear on the top the name of the licensee.

(ii) The capsules to be used on liquor bottled for export to another State, Union Territory or Country shall bear such words as may be required by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh.

(iii) The licensee shall invariably use the capsules which correspond to the pattern and specification approved by the "Indian Standard Institute" He shall comply with such instruction as may be issued by the Excise Commissioner from time to time.

(21) The licensee shall maintain account in the following registers :

(i) Register in Form F.L.B.-3, in which the licensee shall enter the quantity, description and strength of liquor received and issued for bottling.

(ii) Register in Form F.L.B.-4, in which the licensee shall enter the bottling operations carried on by him.

(iii) Register in Form F.L.B.-5, in which the licensee shall enter daily account of foreign liquor bottled and stored in the licensed premises.

(iv) Ledger in Form F.L.B.-6, in which the licensee shall enter the abstract of all the transactions in the licensed premises.

(v) Register in Form F.L.B.-7, in which the licensee shall enter the stock of bulk (unbottled) as shown by PLC through Radar based Level Transmitter and bottled liquor at the end of a month.”

(vi) 'level-volume' table of vats certified by the authorize authority in Form F.L.B.-8

## Column II

*Rule as hereby substituted*

(20)(i) Unless otherwise allowed by the Excise Commissioner all bottles shall be securely sealed with pilfer proof capsules or crown corks with alucapsules in such a way as to make it impossible to remove the seal without its being cut and/or broken. The capsules to be used on various kinds of liquor shall be of standard sizes and shall bear on the top the name of the licensee.

(ii) The capsules to be used on liquor bottled for export to another State, Union Territory or Country shall bear such words as may be required by the Excise Commissioner, Uttar Pradesh.

(iii) The licensee shall invariably use the capsules which correspond to the pattern and specification approved by the "Indian Standard Institute" He shall comply with such instruction as may be issued by the Excise Commissioner from time to time.

(21) The licensee shall maintain account in the following registers :

(i) Register in Form F.L.B.-3, in which the licensee shall enter the quantity, description and strength of liquor received and issued for bottling.

(ii) Register in Form F.L.B.-4, in which the licensee shall enter the bottling operations carried on by him.

(iii) Register in Form F.L.B.-5, in which the licensee shall enter daily account of foreign liquor bottled and stored in the licensed premises.

(iv) Ledger in Form F.L.B.-6, in which the licensee shall enter the abstract of all the transactions in the licensed premises.

(v) Register in Form F.L.B.-7, in which the licensee shall enter the stock of bulk (unbottled) as shown by PLC through Radar based Level Transmitter and bottled liquor at the end of a month.”

(vi) 'level-volume' table of vats certified by the authorize authority in Form F.L.B.-8

Column I	Column II
<i>Existing rule</i>	<i>Rule as hereby substituted</i>
(vii) 'level-volume' table of vats in Form F.L.B.-9	(vii) 'level-volume' table of vats in Form F.L.B.-9
(viii) These forms will be maintained in digital form also and be submitted online on designated portal of Excise Department daily.	(viii) These forms will be maintained in digital form also and be submitted online on designated portal of Excise Department daily.
(22) The licensee shall apply Security code as approved by the Excise Department on packed carton (case) with specific number of bottles of different volume, strength, brand and packaging type, in addition to each and every bottle/mono carton/Cans/tetrapack or any other container of Spirit /Beer/Wine and low alcoholic beverages, immediately after bottling and before issue of spirit/beer/ wine/Low Alcoholic Beverages as a proof of payment of consideration fees and the Distillers/Brewers/Vintners shall ensure compliance of necessary arrangement in this regard. This will be maintained in digital form also and be submitted online on designated portal of Excise Department daily.	(22) The licensee shall apply Security code as approved by the Excise Department on packed carton (case) with specific number of bottles of different volume, strength, brand and packaging type, in addition to each and every bottle/mono carton/Cans/tetrapack or any other container of Spirit /Beer/Wine and low alcoholic beverages, immediately after bottling and before issue of spirit/beer/ wine/Low Alcoholic Beverages as a proof of payment of consideration fees and the Distillers/Brewers/Vintners shall ensure compliance of necessary arrangement in this regard. This will be maintained in digital form also and be submitted online on designated portal of Excise Department daily.
(23) The licensee shall print the maximum retail price on the labels of Indian Made Foreign Liquor, Beer and Wine to be sold in Uttar Pradesh which shall be easily visible.	(23) The licensee shall print the maximum retail price on the labels of Indian Made Foreign Liquor, Beer and Wine to be sold in Uttar Pradesh which shall be easily visible.
(24) Bottling unit shall make all such arrangements prescribed in Solid Waste Management Rules, 2016 for recycling and management of solid wastes.	(24) Bottling unit shall make all such arrangements prescribed in Solid Waste Management Rules, 2016 for recycling and management of solid wastes.
<b>4. Amendment of rule-7</b> —In the said rules, for existing rule-7 set out in column-1 below, the rule as set out in column-2 shall be substituted, namely—	
Column I	Column II
<i>Existing rule</i>	<i>Rule as hereby substituted</i>
7. Following additional special conditions will be applicable to bottling of Indian made foreign liquor in bond under FL-3 licence.	7. Following additional special conditions will be applicable to bottling of Indian made foreign liquor in bond under FL-3 licence.
(1) The licensee shall execute a bond in Form P.D.B. with such security as may be fixed by the Excise Commissioner. The security shall be furnished either in cash or in interest bearing	(1) The licensee shall execute a bond in Form P.D.B. with such security as may be fixed by the Excise Commissioner. The security shall be furnished either in cash or in interest bearing

## Column I

*Existing rule*

securities, government promissory notes, national savings certificates, post office savings, bank pass book or post office cash certificates or in fixed deposit receipts of the State Bank of India or any other Bank duly approved by the State Government. The security is liable to be increased or decreased by the Excise Commissioner at any time, should he consider for any reason, that the amount so fixed is inadequate or excessive.

(2) Operations connected with the filling of bottles shall be conducted under supervision of an Excise Inspector.

(3) The Excise Commissioner shall decide the strength of excise personnel, necessary for the proper supervision of the operations connected with bottling and his decision shall be binding on the licensee.

The licensee shall provide quarters to the excise staff to the satisfaction of the Excise Commissioner in the vicinity of the bonded warehouse for bottling of Indian made foreign liquor at a rent not exceeding ten percent, per month of the salary of each member of the staff.

The licensee shall be bound to keep the quarters and their appurtenances in proper repair and not to interrupt or annoy any officer residing therein, in his use or enjoyment thereof. In case any question should arise as to whether the rent demanded by the owner of such quarters is just and reasonable taking into consideration the nature and sufficiency of the accommodation, the question shall be referred to the Excise Commissioner whose decision shall be final and binding on the licensee.

(4) Operations connected with bottling shall be conducted in separate rooms called bottling rooms set apart for the purpose within the premises near the foreign liquor store. In these rooms the licensee may set up such apparatus for filtering, bottling and processes connected therewith as may be necessary. In the bottling rooms bottling vats shall be erected for the storage of foreign liquor. Bottled liquor shall be stored in separate rooms.

## Column II

*Rule as hereby substituted*

securities, government promissory notes, national savings certificates, post office savings, bank pass book or post office cash certificates or in fixed deposit receipts of the State Bank of India or any other Bank duly approved by the State Government. The security is liable to be increased or decreased by the Excise Commissioner at any time, should he consider for any reason, that the amount so fixed is inadequate or excessive.

(2) Operations connected with the filling of bottles shall be conducted under supervision of an Excise Inspector.

(3) The Excise Commissioner shall decide the strength of excise personnel, necessary for the proper supervision of the operations connected with bottling and his decision shall be binding on the licensee.

The licensee shall provide quarters to the excise staff to the satisfaction of the Excise Commissioner in the vicinity of the bonded warehouse for bottling of Indian made foreign liquor at a rent not exceeding ten percent, per month of the salary of each member of the staff.

The licensee shall be bound to keep the quarters and their appurtenances in proper repair and not to interrupt or annoy any officer residing therein, in his use or enjoyment thereof. In case any question should arise as to whether the rent demanded by the owner of such quarters is just and reasonable taking into consideration the nature and sufficiency of the accommodation, the question shall be referred to the Excise Commissioner whose decision shall be final and binding on the licensee.

(4) Operations connected with bottling shall be conducted in separate rooms called bottling rooms set apart for the purpose within the premises near the foreign liquor store. In these rooms the licensee may set up such apparatus for filtering, bottling and processes connected therewith as may be necessary. In the bottling rooms bottling vats shall be erected for the storage of foreign liquor. Bottled liquor shall be stored in separate rooms.

Column I <i>Existing rule</i>	Column II <i>Rule as hereby substituted</i>
<p>All the rooms shall be well ventilated. The windows and ventilators shall be securely barred with iron bar embedded in cement and they shall be wire netted the net having a mesh of not more than 25 mm. Every room shall bear on the outside a board on which shall be painted legibly the purpose for which the room is used. All the rooms shall remain under the separate locks and keys of the licensee and the Excise Inspector.</p>	<p>All the rooms shall be well ventilated. The windows and ventilators shall be securely barred with iron bar embedded in cement and they shall be wire netted the net having a mesh of not more than 25 mm. Every room shall bear on the outside a board on which shall be painted legibly the purpose for which the room is used. All the rooms shall remain under the separate locks and keys of the licensee and the Excise Inspector.</p>
<p>(5) Bottling can be done continuously as per requirements.</p>	<p>(5) Bottling can be done continuously as per requirements.</p>
<p>(6) No bottles shall be filled with liquor except in the joint presence of the Excise Inspector and a representative of the licensee and under CCTV Camera with IP Address.</p>	<p>(6) No bottles shall be filled with liquor except in the joint presence of the Excise Inspector and a representative of the licensee and under CCTV Camera with IP Address.</p>
<p>(7) Liquor required for bottling in a distillery, vintnery or brewery shall be measured out and brought into bottling rooms by a permanently fixed pipe fitted within the liquor store with a cock and fastening for an excise lock or such other means as may be approved by the Excise Commissioner.</p>	<p>(7) Liquor required for bottling in a distillery, vintnery or brewery shall be measured out and brought into bottling rooms by a permanently fixed pipe fitted within the liquor store with a cock and fastening for an excise lock or such other means as may be approved by the Excise Commissioner.</p>
<p>(8) Bottling of Rum meant for issues to troops at concessional rate shall be permitted in separate room(s) other than the room(s) where bottling of any other liquor is carried on. Bottled concessional rum shall not be stored with any other liquor.</p>	<p>(8) Bottling of Rum meant for issues to troops at concessional rate shall be permitted in separate room (s) other than the room(s) where bottling of any other liquor is carried on. Bottled concessional rum shall not be stored with any other liquor.</p>
<p>(9) The Excise Inspector in-charge of bottling bonded warehouse shall maintain the following registers;</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Register in form F.L.B.-3</li> <li>(ii) Register in form F.L.B.-4</li> <li>(iii) Register in form F.L.B.-5</li> <li>(iv) Register in form F.L.B.-6</li> <li>(v) Register in form F.L.B.-7</li> <li>(vi) Dip book in form F.L.B.-9</li> </ul>	<p>(9) The Excise Inspector in-charge of bottling bonded warehouse shall maintain the following registers;</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) Register in form F.L.B.-3</li> <li>(ii) Register in form F.L.B.-4</li> <li>(iii) Register in form F.L.B.-5</li> <li>(iv) Register in form F.L.B.-6</li> <li>(v) Register in form F.L.B.-7</li> <li>(vi) Dip book in form F.L.B.-9</li> </ul>
<p>(vii) These forms will be maintained in digital form also and be submitted daily online on designated portal of Excise Department.</p>	<p>(vii) These forms will be maintained in digital form also and be submitted daily online on designated portal of Excise Department.</p>

Column I	Column II
<i>Existing rule</i>	<i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(10) On the last working day of every calendar month, after all the transactions for that day are made, the Excise Inspector in-charge shall take the stock of unbottled and bottled spirit and beer stored in the bottling warehouse, enter into the prescribed register and ascertain the wastage of spirit in the bottling operations and storage in the bonded warehouse.</p>	<p>(10) On the last working day of every calendar month, after all the transactions for that day are made, the Excise Inspector in-charge shall take the stock of unbottled and bottled spirit and beer stored in the bottling warehouse, enter into the prescribed register and ascertain the wastage of spirit in the bottling operations and storage in the bonded warehouse.</p>
<p>(11) (a) An allowance up to one per cent may be made on the total quantity of spirit and beer stored during a month for actual loss in bottling and storage. The licensee shall be responsible for the payment of consideration fee calculated on the basis of average consideration fee leviable for all category on wastage in excess of one percent in a month.</p>	<p>(11) (a) An allowance up to one per cent may be made on the total quantity of spirit and beer stored during a month for actual loss in bottling and storage. The licensee shall be responsible for the payment of consideration fee calculated on the basis of average consideration fee leviable for all category on wastage in excess of one percent in a month.</p>
<p>(b) When the wastage does not exceed the prescribed limit, no action need be taken by the Excise Inspector In-charge but if an excess is found at the time of monthly stock taking the Excise Inspector shall submit a statement to the Collector by the fifth day of the month in Form F.L.B.-10 showing the quantity of actual wastage and the consideration fee to be paid by the licensee on the excess wastage. On receipt of the statement the Collector shall recover the consideration fee from the licensee at the full rate of consideration fee leviable on Indian made foreign spirit and beer.</p>	<p>(b) When the wastage does not exceed the prescribed limit, no action need be taken by the Excise Inspector In-charge but if an excess is found at the time of monthly stock taking the Excise Inspector shall submit a statement to the Collector by the fifth day of the month in Form F.L.B.-10 showing the quantity of actual wastage and the consideration fee to be paid by the licensee on the excess wastage. On receipt of the statement the Collector shall recover the consideration fee from the licensee at the full rate of consideration fee leviable on Indian made foreign spirit and beer.</p>
<p>(12) The Excise Inspector in-charge of bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor will unless otherwise directed, work under the supervision of, and correspond with the Deputy Excise Commissioner in whose territory charge the bonded warehouse lies. In all ordinary matters regarding the working of the bonded warehouse the licensee should in the first instance apply to the excise inspector in-charge who will, if necessary secure higher orders.</p>	<p>(12) The Excise Inspector in-charge of bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor will unless otherwise directed, work under the supervision of, and correspond with the Deputy Excise Commissioner in whose territory charge the bonded warehouse lies. In all ordinary matters regarding the working of the bonded warehouse the licensee should in the first instance apply to the excise inspector in-charge who will, if necessary secure higher orders.</p>

Column I	Column II
<i>Existing rule</i>	<i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(13) The shift and hours of attendance of the inspectors posted to a bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor will be fixed by the Asstt. Excise Commissioner. The Excise Inspector posted to the bonded warehouse will fix the hours of attendance of clerks and peons. Ordinarily each official will be on duty for a total period not exceeding eight hours a day. If more than one Inspector be posted to a bonded warehouse operations involving the presence of an Inspector the licensee may continue upto twenty-four hours in three shifts i.e. from 6.00 AM to 2.00PM, 02.00PM to 10.00 PM and 10.00PM to 6.00AM.</p> <p>(14) The holidays allowed to the Excise Staff posted at the bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquors are: Sundays, Republic Day (26th January), Good Friday, Mahatma Ghandhi's Birthday (Official), Independence Day, Christmas Day, Holi, (the day following the burning of Holi), Janmashtmi, Deshera (principal day), Diwali (principal day), Idul Fitri (principal day), Idul-zuha, Moharram (10th day) and Shabe-i-Barat.</p> <p>Other Gazetted holidays will only be allowed if the distillers themselves close down on special grounds with the sanction of the Excise Commissioner.</p> <p>(15) Bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor shall be open only for the entrance and exit of persons who have business within them. No one except officer of the Excise Department and the Superior Officers of other Government Departments, licensee, his servants and licenced vendors who have come to purchase liquor shall be allowed to enter the premises on any pretext A register shall be kept of the names of all persons employed by licensee.</p> <p>(16) All the persons entering a bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor shall be under the orders of the Excise Inspector In-charge in respect of their conduct and proceedings within the warehouse and shall be liable to search on their quitting the premises at the discretion of the Excise Inspector In-charge.</p>	<p>(13) The shift and hours of attendance of the inspectors posted to a bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor will be fixed by the Asstt. Excise Commissioner. The Excise Inspector posted to the bonded warehouse will fix the hours of attendance of clerks and peons. Ordinarily each official will be on duty for a total period not exceeding eight hours a day. If more than one Inspector be posted to a bonded warehouse operations involving the presence of an Inspector the licensee may continue upto twenty-four hours in three shifts i.e. from 6.00 AM to 2.00PM, 02.00PM to 10.00PM to 6.00AM.</p> <p>(14) The holidays allowed to the Excise Staff posted at the bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquors are: Sundays, Republic Day (26th January), Good Friday, Mahatma Ghandhi's Birthday (Official), Independence Day, Christmas Day, Holi, (the day following the burning of Holi), Janmashtmi, Deshera (principal day), Diwali (principal day), Idul Fitri (principal day), Idul-zuha, Moharram (10th day) and Shabe-i-Barat.</p> <p>Other Gazetted holidays will only be allowed if the distillers themselves close down on special grounds with the sanction of the Excise Commissioner.</p> <p>(15) Bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor shall be open only for the entrance and exit of persons who have business within them. No one except officer of the Excise Department and the Superior Officers of other Government Departments, licensee, his servants and licenced vendors who have come to purchase liquor shall be allowed to enter the premises on any pretext A register shall be kept of the names of all persons employed by licensee.</p> <p>(16) All the persons entering a bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor shall be under the orders of the Excise Inspector In-charge in respect of their conduct and proceedings within the warehouse and shall be liable to search on their quitting the premises at the discretion of the Excise Inspector In-charge.</p>

## Column I

*Existing rule*

(17) If it comes to the knowledge of a licensee that any person employed by him has committed any breach of the excise laws or of the engagements entered into by him, it shall be his duty to report the matter to the Collector, and to comply with the directions of the latter officer respecting the continued employment of such person.

(18) The Excise inspector in-charge of a bonded warehouse for bottling of Indian made foreign liquor may eject and exclude from the premises any person as to whom he has reason to believe that he has committed or is about to commit any breach of these rules or of the provisions of the Excise Act, or who is intoxicated or disorderly. All actions under this rule shall forthwith be recorded by him in writing in his official diary for the information of the superiors.

(19) The licensee shall be bound by all the general rules for the management of bonded warehouse for bottling of Indian made foreign liquor and for the issue of foreign liquor there from which may already in force or which may thereafter be prescribed under the existing excise law or under any law which may hereinafter be enacted by all special orders issued by the Excise Commissioner with regard to individual bonded warehouse, and shall cause all persons employed by them in the manufacture, issue etc of liquor to obey all such rules.

(20) (i) No liquor shall be removed except under a pass in Form F.L.B.-11 granted by the Officer empowered in this behalf. The pass affixed with the security code containing details of the consignment in the particular transport vehicle, shall be issued either on proof of full payment of consideration fee or on proof of execution of bond. It shall be in triplicate, one copy shall be made over to the licensee to cover the transport or export, the second forwarded to the chief revenue authority of the district of import or transport and the third retained for record. A digital record shall be maintained and also submitted daily online on designated portal.

## Column II

*Rule as hereby substituted*

(17) If it comes to the knowledge of a licensee that any person employed by him has committed any breach of the excise laws or of the engagements entered into by him, it shall be his duty to report the matter to the Collector, and to comply with the directions of the latter officer respecting the continued employment of such person.

(18) The Excise inspector in-charge of a bonded warehouse for bottling of Indian made foreign liquor may eject and exclude from the premises any person as to whom he has reason to believe that he has committed or is about to commit any breach of these rules or of the provisions of the Excise Act, or who is intoxicated or disorderly. All actions under this rule shall forthwith be recorded by him in writing in his official diary for the information of the superiors.

(19) The licensee shall be bound by all the general rules for the management of bonded warehouse for bottling of Indian made foreign liquor and for the issue of foreign liquor there from which may already in force or which may thereafter be prescribed under the existing excise law or under any law which may hereinafter be enacted by all special orders issued by the Excise Commissioner with regard to individual bonded warehouse, and shall cause all persons employed by them in the manufacture, issue etc of liquor to obey all such rules.

(20) (i) No liquor shall be removed except under a pass in Form F.L.B.-11 granted by the Officer empowered in this behalf. The pass affixed with the security code containing details of the consignment in the particular transport vehicle, shall be issued either on proof of full payment of consideration fee or on proof of execution of bond. It shall be in triplicate, one copy shall be made over to the licensee to cover the transport or export, the second forwarded to the chief revenue authority of the district of import or transport and the third retained for record. A digital record shall be maintained and also submitted daily online on designated portal.

Column I	Column II
<i>Existing rule</i>	<i>Rule as hereby substituted</i>
(ii) In case of issue of liquor under bond, the licensee shall execute a general or special bond with or without sureties, as may be, considered expedient in Form F.L.B.B. 1 or F.L.B.B 2, as the case may be to deliver the liquor at a particular place or destination.	(ii) In case of issue of liquor under bond, the licensee shall execute a general or special bond with or without sureties, as may be, considered expedient in Form F.L.B.B. 1 or F.L.B.B 2, as the case may be to deliver the liquor at a particular place or destination.
(iii) In case of liquor issued under special bond, the bond shall be discharged on the licensee's furnishing proof of his having delivered the liquor at the destination, provided that none of the conditions of the bond has been infringed. The consideration fee on consignment issued under a general bond shall be written off on his furnishing proof of delivery of liquor at the destination, provided that none of the conditions of the bond has been infringed.	(iii) In case of liquor issued under special bond, the bond shall be discharged on the licensee's furnishing proof of his having delivered the liquor at the destination, provided that none of the conditions of the bond has been infringed. The consideration fee on consignment issued under a general bond shall be written off on his furnishing proof of delivery of liquor at the destination, provided that none of the conditions of the bond has been infringed.
(iv) If the licensee does not furnish within the time mentioned in the bond or pass proof of his having delivered the liquor at the destination or if it appears that any of the conditions of the bond have been infringed, the Excise Inspector Incharge shall forthwith take necessary steps to recover from the executants or its sureties the penalty under the bond.	(iv) If the licensee does not furnish within the time mentioned in the bond or pass proof of his having delivered the liquor at the destination or if it appears that any of the conditions of the bond have been infringed, the Excise Inspector Incharge shall forthwith take necessary steps to recover from the executants or its sureties the penalty under the bond.
(v) A register of bond will be maintained in Form F.L.B.12 and every issue in bond will, on the date it is made, be entered in this register. On the receipt of intimation that the consignment has duly arrived, an entry to the effect will be made in the relevant column of the register of bond, and the bond so far as that consignment is concerned will be discharged.	(v) A register of bond will be maintained in Form F.L.B.12 and every issue in bond will, on the date it is made, be entered in this register. On the receipt of intimation that the consignment has duly arrived, an entry to the effect will be made in the relevant column of the register of bond, and the bond so far as that consignment is concerned will be discharged.
As soon as the entries relating to a consignment are complete the Excise Inspector Incharge of the bottling warehouse will draw a red line to them to enable him to see at a glance the quantity of liquor that is in transit and to restrict issues to the amount covered under the bond.	As soon as the entries relating to a consignment are complete the Excise Inspector Incharge of the bottling warehouse will draw a red line to them to enable him to see at a glance the quantity of liquor that is in transit and to restrict issues to the amount covered under the bond.

Column I	Column II
<i>Existing rule</i>	<i>Rule as hereby substituted</i>
<p>(vi) The entire quantity of liquor shall be transported in one consignment and shall not be broken in transit and the movement of consignment shall not be deviated on the route specified in the E-transit pass, the infraction of which may entail on the licensee of distillery, imposition of severe penalty as laid down by the Government.</p> <p>(vii) If any distillery is found to be involved in a deceptive and fraudulent use of E-transit pass for transiting consignment more than once on the valid pass, Officer-in-charge of distillery, as well as distillery shall be liable to severe punishment.</p> <p>(21) Issues may be made by the licensee from the bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor as follows :</p> <p>(1) Foreign liquor may be issued in bond to persons and places as provided in the rules governing the export and transport of foreign liquor.</p> <p>(2) Foreign liquor may be issued on payment of consideration fee to :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) the premises in respect of which the licensee holds a wholesale licence for the vend of foreign liquor.</li> <li>(ii) Troops in India, as provided in the export and transport rules, on payment of consideration fee at the prescribed rates.</li> </ul> <p>(3) In the said Rules for the form F.L.B.B.-1, F.L.B.B.-2 and P.D.B. the following forms are substituted:</p> <p>(4) In the said Rules after Form F.L.B.11 the following Form F.L.B.12 is added.</p>	<p>(vi) The F.L.-3 or F.L.-3A licensee shall be allowed to make dispatches of liquor to more than one wholesale licenses situated in one district through one vehicle. The movement of consignment shall not be deviated on the route specified in the E-transit pass, the infraction of which may entail on the licensee of distillery, imposition of severe penalty as laid down by the Government.</p> <p>(vii) If any distillery is found to be involved in a deceptive and fraudulent use of E-transit pass for transiting consignment more than once on the valid pass, Officer-in-charge of distillery, as well as distillery shall be liable to severe punishment.</p> <p>(21) Issues may be made by the licensee from the bonded warehouse for the bottling of Indian made foreign liquor as follows :</p> <p>(1) Foreign liquor may be issued in bond to persons and places as provided in the rules governing the export and transport of foreign liquor.</p> <p>(2) Foreign liquor may be issued on payment of consideration fee, special consideration fee and special additional consideration fee to :</p> <ul style="list-style-type: none"> <li>(i) the premises in respect of which the licensee holds a wholesale licence for the vend of foreign liquor.</li> <li>(ii) Troops in India, as provided in the export and transport rules, on payment of consideration fee at the prescribed rates.</li> </ul> <p>(3) In the said Rules for the form F.L.B.B.-1, F.L.B.B.-2 and P.D.B. the following forms are substituted:</p> <p>(4) In the said Rules after Form F.L.B.11 the following Form F.L.B.12 is added.</p>

By order,  
SENTHIL PANDIAN C.,  
*Excise Commissioner,*  
*Uttar Pradesh.*